www.bharatsamvad.live
R.N.I.No- MAHHIN/2017/74173

सत्य का स्वर
भारत संवाद
मुंबई, प्रयागराज और लखनऊ से प्रकाशित

सोशल मीडिया पर भारत संवाद
https://x.com/BharatSamvad
www.facebook.com/bharatsamvad.in
www.youtube.com/@BharatSamvad-m3n
E-Paper bharatsamvad.live

मौसम
अधिकतम तापमान 28.c
27.c न्यूनतम तापमान

बाजार
सोना 102.705g
चांदी 113,000kg

2 संवाद के साथ सतर्कता भी आवश्यक, सीमा विवाद के बाद पहली अहम मुलाकात
नहाने गए युवक की डूबकर मौत 04

वर्ष :09 | अंक :70 | मुंबई , रविवार , 31 अगस्त 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 2 : 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

मिजोरम में 165 करोड़ रुपये मूल्य की मेथामफेटामीन गोलियां जब्त, पांच गिरफ्तार

सुरक्षा बलों ने मिजोरम के विभिन्न हिस्सों से 165 करोड़ रुपये मूल्य की मेथामफेटामीन (एक प्रकार की नशीली दवा) गोलियां जब्त कीं और पांच लोगों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) के साथ एक विशेष संयुक्त अभियान में सीमा पार मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल की और सेरछिप जिले से 144 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की 9.6 लाख मेथामफेटामीन (याबा) गोलियां जब्त कीं। मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों के अनुसार एक गुप्त सूचना के आधार पर बल और एनसीबी अधिकारियों की टीम ने संयुक्त अभियान चलाया और बृहस्पतिवार को सेरछिप शहर के नजदीक एक पिकअप ट्रक को रोका। टीम ने वाहन से 144 करोड़ रुपये मूल्य की 9.6 लाख मेथामफेटामीन गोलियां बरामद कीं और प्रतिबंधित सामग्री रखने के आरोप में आइजोल के तीन निवासियों को गिरफ्तार किया।

इटावा में विद्युत करंट की चपेट में आने से एक युवक की मौत

इटावा जिले के इकदिल थानाक्षेत्र में कूलर में विद्युत करंट आ जाने से उसकी चपेट में आने की वजह से एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। इकदिल के थाना प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) विक्रम सिंह चौहान ने बताया कि उधन्नपुरा गांव में घर के अंदर रखे कूलर में विद्युत करंट उतरने से उसकी चपेट में आने से कमलेश कुमार उर्फ कन्हैया (23) छटपटाने लगा। उन्होंने बताया कि परिजनों ने करंट की चपेट में आने के बाद कन्हैया को अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए ले गयी।

अवध में भाजपा हारी, अब मगध में भी हारेगी

राहुल की मतदाता अधिकार यात्रा में शामिल हुए अखिलेश

मतदाता अधिकार यात्रा

▸▸अखिलेश यादव ने बिहार में राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के साथ 'मतदाता अधिकार यात्रा' में शामिल होकर भाजपा को आड़े हाथों लिया और अवध के बाद मगध में भी उनकी हार की भविष्यवाणी की। उन्होंने बिहार की जनता के समर्थन का आभार व्यक्त करते हुए चुनाव आयोग की 'एसआईआर' प्रक्रिया पर सवाल उठाए और उस पर 'वोट चोरी' तथा अनियमितताओं का आरोप लगाया, जिससे चुनावी पारदर्शिता पर बहस छिड़ गई है।

एजेंसी

बिहार। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव शनिवार को बिहार के सारण में मतदाता अधिकार यात्रा के अंतिम चरण में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव के साथ शामिल हुए। उन्होंने कहा कि अवध की जनता ने बीजेपी को हटाया है, हमें उम्मीद है कि मगध के लोग भी भारतीय जनता पार्टी को हटाएंगे। उन्होंने कहा कि यूपी, बिहार के लोग पलायन कर रहे हैं। तेजस्वी जी ने यहां लाखों लाख नौकरी दी। बिहार की जनता को उनपर भरोसा है, अब बीजेपी का बिहार से पलायन होने जा रहा है। सपा प्रमुख ने कहा कि आपने हमारे यूपी के मुख्यमंत्री को नहीं सुना क्या कभी यह भारतीय जनता पार्टी हर एक का अपमान करती है। उन्होंने कहा कि मैं धन्यवाद देना चाहता हूं बिहार की जनता को कि वोटर अधिकार यात्रा को समर्थन दिया। भारतीय जनता पार्टी बिहार से बाहर होने जा रही है। सही मायने में यहां की जनता रुकफ करने वाली है चुनाव आयोग का। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लोकतंत्र की रक्षा के इस ऐतिहासिक आंदोलन में उनका स्वागत किया। वेणुगोपाल ने एक्स पर पोस्ट किया कि आज सुबह, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव जी सारण में मतदाता अधिकार यात्रा में शामिल हुए! लोकतंत्र की रक्षा के इस ऐतिहासिक आंदोलन में उनका स्वागत है। वह भाजपा द्वारा लोकतंत्र के विनाश के खिलाफ हमारी लड़ाई में एक दृढ़ सहयोगी और उत्तर प्रदेश तथा देश भर में गरीबों और वंचितों की एक मजबूत आवाज रहे हैं। आज इंडिया ब्लॉक की 'मतदाता अधिकार यात्रा' का दूसरा आखिरी दिन है।

महागठबंधन की 'मतदाता अधिकार यात्रा' से बीजेपी - एनडीए की नींद उड़ी, तेजस्वी का दावा

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार को भाजपा नीत राजग पर तीखा हमला बोलते हुए दावा किया कि चल रही 'मतदाता अधिकार यात्रा' ने सत्तारूढ़ गठबंधन को हिलाकर रख दिया है। एएनआई से बात करते हुए, यादव ने दावा किया कि राजग चाहे कितनी भी कोशिश कर ले, वह बिहार में सत्ता हासिल नहीं कर पाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा डरी हुई है और इस ऐतिहासिक यात्रा की वजह से राजग बहुत बेचैन हो गया है। वे अपनी तरफ से हरसंभव कोशिश कर रहे हैं और हमारी हर चीज पर नजर है।

▸▸बीजेपी कार्यकर्ता आरा में दिखा रहे थे काला कपड़ा, राहुल गांधी पास बुलाकर देने लगे टॉफी

बेगूसराय में भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच झड़प

राहुल गांधी-तेजस्वी यादव का पुतला जला रहे थे, कांग्रेसियों ने भी शुरू कर दिया बवाल

बेगूसराय, भाजपा और कांग्रेस कार्यकताओं के बीच बवाल हो गया। विधायक कुंदन कुमार के नेतृत्व भाजपा के कार्यकर्ता लोहिया नगर स्थित कांग्रेस भवन के बाहर पहुंचे और वहां राहुल गांधी और तेजस्वी यादव का पुतला जलाकर नारेबाजी करने लगे। जिसके बाद कांग्रेस भवन से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता झंडा लगा डंडा लेकर निकले और भाजपा कार्यकताओं से बहस करने लगे। दोनों ओर से 200 से भी अधिक कार्यकर्ता मौजूद थे। करीब आधे घंटे तक कांग्रेस भवन का इलाका रणक्षेत्र में तब्दील हो गया। बाद में किसी तरह से मामला शांत कराया गया। मामला मां-बहन को गाली देने की आजादी नहीं है बेगूसराय के भाजपा विधायक कुंदन कुमार ने कहा कि कोई भी नेता है।

प्रधानमंत्री मोदी पहुंचे चीन, एयरपोर्ट पर हुआ भव्य स्वागत

एससीओ समिट में लेंगे हिस्सा, पीएम मोदी की चीन यात्रा राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण पर हो रही है

"एससीओ के बारे में उन्होंने कहा भारत एससीओ का सक्रिय और रचनात्मक सदस्य है। अपनी अध्यक्षता के दौरान, हमने नवाचार, स्वास्थ्य और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के क्षेत्रों में नए विचार रखे हैं और सहयोग की पहल की है।

भारतीय प्रवासियों ने वंदे मातरम के नारे लगाए

प्रधानमंत्री के तियानजिन के एक होटल में पहुंचने पर भारतीय समुदाय के लोगों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। भारतीय प्रवासियों ने 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के नारे लगाए। वहीं चीनी कलाकारों ने पीएम मोदी के सामने भारतीय शास्त्रीय संगीत और डांस का प्रदर्शन किया। ये कलाकार कई सालों से भारतीय शास्त्रीय संगीत और नृत्य सीख रहे हैं।

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को जापान का दौरा करने के बाद अब चीन पहुंच चुके हैं। जहां तियानजिन एयरपोर्ट पर उनका भव्य स्वागत किया गया। पीएम मोदी रविवार को तियानजिन शहर में शंघाई सहयोग संगठन समिट में हिस्सा लेंगे। पीएम मोदी की चीन यात्रा राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण पर हो रही है। 7 सालों बाद एक बार पीएम मोदी चीन की धरती पर पहुंचे हुए हैं। प्रधानमंत्री का ये दौरा अहम इसलिए माना जा रहा है क्योंकि इससे भारत-चीन संबंधों पर जमी बर्फ पिघलेगी। इस दौरान पीएम मोदी राष्ट्रपति शी जिनपिंग, रूस के राष्ट्रपति पुतिन और अन्य नेताओं से भी मुलाकात करेंगे। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, चीन के तियांजिन पहुंच गया हूं। एससीओ शिखर सम्मेलन में चर्चा और विभिन्न वैश्विक नेताओं के साथ मिलने के लिए उत्सुक हूं। मोदी की पिछले सात वर्षों में यह पहली चीन यात्रा और राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ पिछले एक वर्ष में दूसरी मुलाकात होगी। उन्होंने कहा कि भारत साझा चुनौतियों का समाधान करने और क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने के लिए एससीओ सदस्यों के साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विश्वास जताया कि उनकी यात्रा भारत के राष्ट्रीय हितों और प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाएगी। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि जापान और चीन की मेरी यात्राएँ हमारे राष्ट्रीय हितों और प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाएँगी।

शस्त्र और शास्त्र के समन्वय से ही राष्ट्र बनेगा शक्तिशाली : सीएम योगी

ऑपरेशन सिंदूर ने दुनिया को भारत के सामर्थ का एहसास कराया- सीएम योगी

"रक्षा मंत्री और सीएम योगी ने गौतमबुद्ध नगर में रक्षा उपकरण एवं ड्रोन निर्माण इकाई किया लोकार्पण. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ब्रह्मोस मिसाइल का केंद्र लखनऊ में बनाया है- मुख्यमंत्री. रक्षा उपकरणों के लिए पहले हमे दुनिया पर निर्भर रहना पड़ता था, अब ऐसा नहीं होगा- मुख्यमंत्री.

❍ यूपी रक्षा उत्पादन में अग्रणी भूमिका निभा रहा है- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ
❍ लखनऊ की मुस्कुराहट तब तक अधूरी थी, जब तक मिसाइल की गूंज दुश्मन के कानों तक नहीं पहुंची- सीएम योगी

एजेंसी

गौतमबुद्ध नगर। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को गौतमबुद्ध नगर में रक्षा उपकरण एवं ड्रोन निर्माण इकाई, एयरक्राफ्ट इंजन और डिफेंस एयरोस्पेस टेस्ट फेसिलिटी का लोकार्पण किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि शस्त्र और शास्त्र के समन्वय से ही राष्ट्र मजबूत होता है और यूपी रक्षा उत्पादन में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि यह नोएडा को डिफेंस हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा, जो राष्ट्रीय सुरक्षा को नई ऊंचाई देगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज की बढ़ती हुई चुनौतियों को देखते हुए रक्षा क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर का सामना करने के लिए अत्याधुनिक ड्रोन निर्माण के साथ एयरक्राफ्ट इंजन एंड डिफेंस एयरोस्पेस टेस्ट फेसिलिटी विकसित की गई है। पहले हमें दुनिया पर निर्भर रहना पड़ता था।

रक्षा उपकरण एवं ड्रोन निर्माण इकाई का हुआ उद्घाटन

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रक्षा उपकरण एवं ड्रोन निर्माण इकाई का उद्घाटन किया, जहां अत्याधुनिक ड्रोन और इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम का प्रदर्शन किया गया। इसके बाद एयरक्राफ्ट इंजन और डिफेंस एयरोस्पेस टेस्ट फेसिलिटी का लोकार्पण हुआ, जो रक्षा क्षेत्र में परीक्षण और विकास के लिए महत्वपूर्ण है। दोनों ने ड्रोन प्रदर्शनी का दौरा किया, जहां विभिन्न प्रकार के ड्रोन के मॉडल और उनकी क्षमताओं का प्रदर्शन किया गया। इस दौरन सीडीएस जनरल अनिल चौहान, रक्षा सचिव राजेश कुमार, रक्षा उत्पादन सचिव संजीव कुमार, सांसद महेश शर्मा समेत कई जनप्रतिनिधि व रक्षा विभाग के अधिकारीगण मौजूद रहे।

उत्तराखंड में बादल फटने और भूस्खलन से पांच लोगों की मौत

बारिश से तबाह हुए कई स्थानों पर मलबे में फंसे लोगों की तलाश शुरू

"अधिकारियों ने बताया, शुक्रवार तड़के उत्तराखंड के विभिन्न जिलों में भारी बारिश और बादल फटने की घटनाओं ने तबाही मचा दी, जिससे भूस्खलन हुआ और लगभग 30-40 परिवार मलबे के ढेर में दब गए और घर क्षतिग्रस्त हो गए।

एजेंसी

उत्तराखंड। अधिकारियों ने बताया, शुक्रवार तड़के उत्तराखंड के विभिन्न जिलों में भारी बारिश और बादल फटने की घटनाओं ने तबाही मचा दी, जिससे भूस्खलन हुआ और लगभग 30-40 परिवार मलबे के ढेर में दब गए और घर क्षतिग्रस्त हो गए। चमोली, रुद्रप्रयाग, टिहरी और बागेश्वर जिलों में इस प्राकृतिक आपदा का सबसे ज्यादा असर पड़ा, जो 23 अगस्त को थराली आपदा के तुरंत बाद आई। इस मानसून के मौसम में उत्तराखंड प्राकृतिक आपदाओं से बुरी तरह प्रभावित हुआ है। चमोली के थराली में आई आपदा से पहले, 5 अगस्त को उत्तरकाशी जिले में खीर गंगा नदी में आई विनाशकारी बाढ़ ने धराली का लगभग आधा हिस्सा तबाह कर दिया था।

धनखड़ ने राजस्थान के बतौर पूर्व कांग्रेस विधायक पेंशन मांगी

40 दिन मौन रहे पूर्व उपराष्ट्रपति सक्रिय हुए, अब 3 पेंशन मिलेगी

धनखड़ को पूर्व उपराष्ट्रपति, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक की पेंशन मिलेगी

जगदीप धनखड़ को तीन तरह (पूर्व उपराष्ट्रपति, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक) की पेंशन मिलेगी। पूर्व राज्यपाल को पेंशन नहीं मिलती है। इसलिए धनखड़ को भी पूर्व राज्यपाल की हैसियत से पेंशन नहीं मिलेगी।

एजेंसी

जयपुर, पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अब पूर्व विधायक के नाते मिलने वाली पेंशन के लिए राजस्थान विधानसभा सचिवालय में फिर से आवेदन किया है। धनखड़ 1993 से 1998 तक किशनगढ़ सीट से कांग्रेस के विधायक रहे थे। पूर्व विधायक के तौर पर उन्हें जुलाई 2019 तक पेंशन मिल रही थी। जुलाई 2019 में पश्चिम बंगाल के राज्यपाल बनने के बाद पेंशन बंद हो गई थी। अब उपराष्ट्रपति पद से हटने के बाद उन्होंने पूर्व विधायक के नाते फिर से आवेदन किया है।

दुनिया में स्थायी दोस्त या दुश्मन नहीं, सिर्फ स्थायी हित

राजनाथ सिंह का अमेरिकी दबाव पर बेबाक जवाब, भारत रहेगा अडिग

➜ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ट्रंप के टैरिफ पर दो टूक जवाब देते हुए कहा कि भारत वैश्विक दबाव के बावजूद अपने राष्ट्रीय हितों, खासकर किसानों और छोटे व्यापारियों के कल्याण से समझौता नहीं करेगा। उन्होंने जोर दिया कि 'आत्मनिर्भर भारत' रणनीति के तहत देश किसी भी चुनौती से मजबूत होकर उभरेगा, क्योंकि केवल स्थायी हित होते हैं, स्थायी दोस्त या दुश्मन नहीं।

एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि दुनिया में कोई स्थायी दोस्त या दुश्मन नहीं होता, बल्कि स्थायी हित होते हैं। यह बात उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ को लेकर भारत-अमेरिका तनाव और हाल के महीनों में चीन के साथ सुधरते संबंधों के बीच कही। ट्रंप द्वारा नई दिल्ली पर 50% टैरिफ लगाने का स्पष्ट संदर्भ देते हुए, राजनाथ ने कहा कि भारत की नीति, रणनीति और आत्मनिर्भरता अडिग रहेगी और देश किसी भी वैश्विक दबाव के बावजूद और भी मजबूती से उभरता रहेगा। राजनाथ ने जोर देकर कहा कि भारत के किसानों और छोटे व्यापारियों के हित नरेंद्र मोदी सरकार के लिए सर्वोपरि हैं और सरकार इस पर कोई समझौता नहीं करेगी। एनडीटीवी डिफेंस समिट 2025 को संबोधित करते हुए राजनाथ ने कहा कि कोई स्थायी दोस्त या दुश्मन नहीं होता, केवल स्थायी हित होते हैं। भारत किसी को अपना दुश्मन नहीं मानता। हमारे किसानों और उद्यमियों का हित हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है। भारत किसी को अपना दुश्मन नहीं मानता। हम किसी भी कीमत पर अपने देश के कल्याण से समझौता नहीं कर सकते। चाहे कितना भी दबाव क्यों न डाला जाए, भारत अ प ा न ा किसानों, छोटे व्यापारियों, दुकानदारों, पशुपालकों और आम नागरिकों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देता रहेगा। रक्षा मंत्री ने आगे कहा, हम सभी भूगोल में पढ़ते हैं कि जितना ज्यादा दबाव डाला जाता है, चट्टान उतनी ही मजबूत होती जाती है।

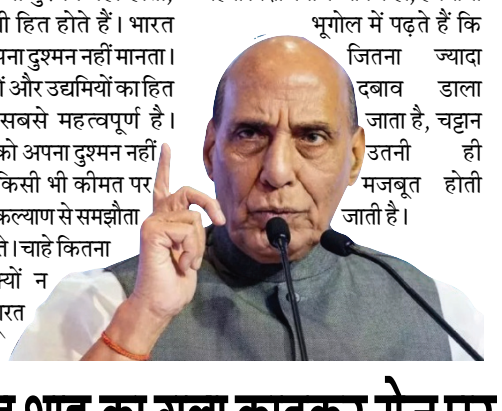

बिहार में निबंधित किरायानामा के प्रति बढ़ रही जागरूकता

एजेंसी

विभागीय अधिकारी के मुताबिक, किरायानामा सभी तरह के आवासीय, व्यावसायिक या औद्योगिक भवनों के लिए किया जाता है। हालांकि, प्रदेश में आवासीय भवनों की तुलना में व्यावसायिक भवनों का किरायानामा अधिक होता है। बिहार में किरायानामा निबंधन को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ रही है। मकान मालिक और किरायेदार के बीच कानूनी समझौते के लिए यह जरूरी है। मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग के अनुसार, वर्ष 2018 से 2025 तक 4 हजार 811 लोगों ने किरायानामा निबंधित कराया है।

सवाल — सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की मंशा पर उठाया सवाल

शाह के खिलाफ हस्ताक्षर अभियान पर रिजिजू का वार

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने शनिवार को उन सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की आलोचना की जिन्होंने 2011 के सलवा जुडूम फैसले को लेकर विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी के खिलाफ केंद्रीय मंत्री अमित शाह की टिप्पणी पर आपत्ति जताई थी। बेंगलुरु में पत्रकारों से बात करते हुए, रिजिजू ने सेवानिवृत्त न्यायाधीशों पर गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ ₹हस्ताक्षर अभियान₹ चलाने का आरोप लगाया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उपराष्ट्रपति चुनाव प्रक्रिया चल रही है। कुछ दिन पहले, कुछ सेवानिवृत्त न्यायाधीशों ने एक हस्ताक्षर अभियान चलाया और गृह मंत्री के खिलाफ टिप्पणियां कीं। उन्होंने गृह मंत्री के खिलाफ लिखा है।

यह सही नहीं है... यह उपराष्ट्रपति का चुनाव है। सेवानिवृत्त न्यायाधीश इसमें क्यों पड़ना चाहते हैं? इससे ऐसा लगता है कि जब वे (कार्यरत) न्यायाधीश थे, तो उनकी विचारधारा अलग रही होगी। अन्यथा, गृह मंत्री के खिलाफ पत्र लिखना और हस्ताक्षर अभियान चलाना सही नहीं है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा कथित वामपंथी समर्थक को अपना उम्मीदवार बनाने के लिए विपक्ष की आलोचना के बाद, सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी सुदर्शन रेड्डी के समर्थन में आए। जुलाई 2011 के फैसले, जिसे न्यायमूर्ति रेड्डी ने न्यायमूर्ति एसएस निज्जर के साथ मिलकर लिखा था, ने छत्तीसगढ़ के बस्तर में सलवा जुडूम को अवैध और असंवैधानिक बताते हुए उसे भंग कर दिया था। इससे पहले शुक्रवार को, भारत के 23वें विधि आयोग के सदस्य हितेश जैन ने सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि उनमें से कुछ खुलेआम राजनीतिक कार्यकताओं की तरह व्यवहार कर रहे हैं। उन्होंने सलवा जुडूम मामले में अपने फैसले को लेकर उठे विवाद में विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार न्यायमूर्ति सुदर्शन रेड्डी का बचाव करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति अभय एस ओका की भी आलोचना की। हितेश जैन ने एक पोस्ट शेयर करते हुए जस्टिस अभय ओका, मदन बी लोकुर, एस मुरलीधर और संजीब बनर्जी की टिप्पणियों पर चिंता जताई और पक्षपातपूर्ण व्यवहार का आरोप लगाया।

"केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उपराष्ट्रपति चुनाव प्रक्रिया चल रही है। कुछ दिन पहले, कुछ सेवानिवृत्त न्यायाधीशों ने एक हस्ताक्षर अभियान चलाया और गृह मंत्री के खिलाफ टिप्पणियां कीं। उन्होंने गृह मंत्री के खिलाफ लिखा है।

अमित शाह का गला काटकर मेज पर रख देने मोइत्रा के बयान पर भाजपा सांसद संतोष पाण्डेय का तीखा पलटवार

❍ भाजपा के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता पाण्डेय ने कहा, तेरा मेरा रिश्ता क्या, सर तन से जुदा, सर तन से जुदा; कांग्रेस-टीएमसी का रिश्ता क्या, सर तन से जुदा, सर तन से जुदा। राजस्थान में इन्होंने कन्हैया और महाराष्ट्र में कोल्हे का गला उतारा आज देश के गृह मंत्री अमित शाह के लिए भड़काना निंदनीय है और दण्डनीय भी।

एजेंसी

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता और सांसद संतोष पाण्डेय ने तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा की उस टिप्पणी को अति निन्दनीय औकर दण्डनीय माना है जिसमें मोइत्रा ने केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह का सिर काटकर पीएम की मेज पर रख देने की बात कही है। संतोष पाण्डेय ने कहा कि स्वस्थ लोकतंत्र में अभद्रता और हिंसक वृत्ति का कोई स्थान नहीं है लेकिन कांग्रेस और उसके सहयोगी दल देश में अराजकता फैलाने के अपने टूलकिट एजेंडे पर अमल कर रहे हैं और बिहार में राहुल गांधी की सभा के मंच से प्रधानमंत्री व उनकी स्वर्गस्थ माताजी के लिए अश्लील टिप्पणी के बाद टीएमसी सांसद मोइत्रा ने यह कहकर विपक्ष की कलुषित मानसिकता का परिचय दिया है। भाजपा के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता पाण्डेय ने कहा, तेरा मेरा रिश्ता क्या, सर तन से जुदा, सर तन से जुदा; कांग्रेस-टीएमसी का रिश्ता क्या, सर तन से जुदा, सर तन से जुदा। राजस्थान में इन्होंने कन्हैया और महाराष्ट्र में कोल्हे का गला उतारा आज देश के गृह मंत्री अमित शाह के लिए भड़काना निंदनीय है और दण्डनीय भी। मोइत्रा का यह बयान बेहद आपत्तिजनक और लोकतांत्रिक संवाद का घोर अपमान है।

सम्पादकीय

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के शताब्दी संदेश से बहुत कुछ प्रेरणा ले सकती है भाजपा

ऐसे में स्पष्ट है कि भागवत का कथन सिर्फ शब्दों का खेल नहीं है, बल्कि संघ की मूल वैचारिक धारा की वह सहज और सरल अभिव्यक्ति है, जो देश में सत्तासीन बीजेपी नीत एनडीए सरकार के लिए एक माकूल दिशा का निर्धारण भी करता है। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत जब भी कुछ बोलते हैं उसे बिना कुछ सोचे समझे देश की सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी से संबंधित मान लिया जाता रहा है। ऐसे में इस बार भी उन्होंने विज्ञान भवन में जो कुछ कहा है, उसे बीजेपी से ही जोड़कर देखा ही जाएगा। सर्वप्रथम, उनका यह कहना महत्वपूर्ण है कि हिंदू राष्ट्र का सत्ता से कोई लेना-देना नहीं', बल्कि इसके बड़े मायने हैं। ऐसे समय में जब देश में हिंदूवादी राजनीति अपने शिखर पर है, मोहन भागवत द्वारा दिया गया यह भाषण बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है। वाकई जब वे कहते हैं कि हिंदू राष्ट्र शब्द का सत्ता से कोई मतलब नहीं है, तो इसके गहरे सियासी निहितार्थ हैं। क्योंकि प्रायः भाजपा सरकार पर विपक्ष लगातार आरोप लगाता रहा है कि वह इस विचारधारा को सत्ता पाने और उसमें बने रहने के औजार के रूप में इस्तेमाल करती है। कहना न होगा कि संघ बीजेपी को समय समय पर वैचारिक खुराक व प्रबुद्ध दिशानिर्देश देता रहा है। यही वजह है कि अपने तमाम मतभेदों के बावजूद संघ और बीजेपी एक बिंदु पर जाकर एक हो जाते हैं। ऐसे में स्पष्ट है कि भागवत का कथन सिर्फ शब्दों का खेल नहीं है, बल्कि संघ की मूल वैचारिक धारा की वह सहज और सरल अभिव्यक्ति है, जो देश में सत्तासीन बीजेपी नीत एनडीए सरकार के लिए एक माकूल दिशा का निर्धारण भी करता है। ऐसे में सीधा सवाल यह है कि संघ प्रमुख के इस बयान के मायने क्या हैं? क्या यह सीधे-सीधे वक्त-वेवक्त लीक से भटकती दिखाई देतीबीजेपी नेताओं को संदेश देता है? यूँ तो 21वीं सदी के महान किंगमेकर मोहन भागवत समय समय पर नीतिगत बातें स्पष्ट करते रहते हैं। ऐसे में उनका यह ताजा बयान भी ऐसे समय पर आया है जब इंडिया गठबंधन रूपी बिखरा विपक्ष भाजपा पर निरंतर यह आरोप मढ रहा है कि वह बहुसंख्यकवाद और ध्रुवीकरण को बढ़ावा दे रही है। इस बात में कोई दो राय नहीं कि उनकी दूरदर्शिता के बदौलत ही भाजपा लगातार तीसरी बार केंद्र में सत्तासीन है। इसके अलावा कई अन्य राज्यों में भी उसके हाथ में सूबाई सत्ता की ताकत है। लिहाजा, संघ प्रमुख का यह कहना कि हिंदू राष्ट्र का अर्थ सत्ता से नहीं है, एक राजनीतिक संतुलन साधने की कवायद के रूप में भी देखा जा सकता है। इससे स्पष्ट होता है कि संघ अब बीजेपी को हिंदू राष्ट्र के मुद्दे को थोड़ा नरम करके चलने का संकेत देना चाहता हो। चूंकि परिवर्तन सृष्टि का शाश्वत नियम है। इसलिए संघ की सोच-समझ में समयानुसार नीतिगत सुधार अपेक्षित है।

आज का विचार

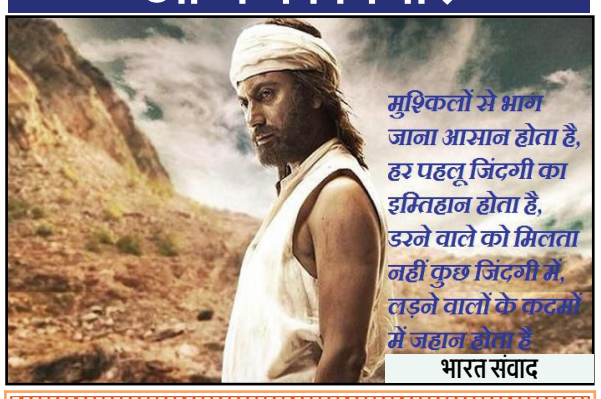

संवाद के साथ सतर्कता भी आवश्यक, सीमा विवाद के बाद पहली अहम मुलाकात

भारत का अडिग रवैया देखकर ही आज चीन वापस रिश्तों में नरमाहट लाने की कोशिश में है। अक्टूबर 2024 से अब तक चीन ने न केवल अपने सैनिकों को विवादित क्षेत्रों से पीछे हटाया है बल्कि सीमा पर शांति कायम करने के लिए नई व्यवस्थाओं को भी स्वीकारा है। ऐसी बदली परिस्थितियों में मोदी का शी से मिलना और रिश्तों में सुधार आना समयोचित है।

पा सात वर्षों के अंतराल के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 31 अगस्त से एक सितंबर तक चीन के दौरे पर होंगे। वह जापान की यात्रा के बाद चीन पहुंचेंगे। सात वर्षों बाद उनका प्रमुख पड़ोसी देश चीन जाना स्पष्ट रूप से दशार्ता है कि दोनों देशों का रिश्ता कितना जटिल और समस्याओं से भरा है। कूटनीतिक दृष्टिकोण से मोदी की यात्रा द्विपक्षीय नहीं है, क्योंकि वे चीन के तियानजिन शहर में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के बहुपक्षीय शिखर सम्मेलन में भाग लेने जा रहे हैं। इस सम्मेलन के दौरान वे अन्य शासनाध्यक्षों के साथ चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग से भी मिलेंगे और यह स्पष्ट ही है कि आपसी विषयों पर भी बातचीत करेंगे। भारत–चीन के लिए यह बैठक अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि 2020 से जारी तनाव से निकल नए सिरे से संबंधों में सुधार लाने के लिए दोनों शीर्ष नेताओं का मिलना आवश्यक है। चीन और भारत के संदर्भ में शीर्ष राजनीतिक स्तर की वार्ता से निकले संकेत हमेशा लाभदायक रहे हैं। 2017 में डोकलाम में दोनों देशों की सेनाओं के आमने–सामने होने के बाद भारतीय प्रधानमंत्री मोदी ने विवादों को टकराव में बदलने से रोकने के लिए शी के साथ वुहान में अनौपचारिक राजनय के माध्यम से प्रयास किया था, पर अफसोस कि चीन ने तत्पश्चात फिर से आक्रामक रुख अपना लिया। 2020 में गलवान घाटी में हुई सैनिकों की मुठभेड़ में दोनों पक्षों को क्षति पहुंची थी। दोनों देशों ने भारी हथियारों से लैस होकर लगभग साठ हजार सैनिकों को सरहद पर युद्ध की तैयारी के हालात में तैनात कर दिया था। चीन की चाह एशिया में वर्चस्व और विश्व में अमेरिका के साथ बराबरी की हैसियत पाने की है। इसी कारण जब वह पड़ोसी देशों में कमजोरी या अनिश्चितता देखता है तो उस पर झपट पड़ने और उस पर दबाव बनाने को तत्पर हो जाता है। उसकी इस नीयत को समझकर ही मोदी सरकार ने गलवान घाटी में हुई सैन्य झड़प के बाद चीन के सामने सैन्य बल का प्रदर्शन किया और उसे स्पष्ट रूप से यह संदेश दिया कि सीमाओं की स्थिति समग्र संबंधों की स्थिति को परिभाषित करेगी। भारत का सख्त रुख देखकर चीन को पूर्वी लद्दाख से लगी सीमा के कुछ हिस्सों से अपने सैनिक हटाने पड़े, जहां उसने एकतरफा तरीके से जमीन हड़पने की कोशिश की थी। भारत का अडिग रवैया देखकर ही आज चीन वापस रिश्तों में नरमाहट लाने की कोशिश में है। अक्टूबर 2024 से अब तक चीन ने न केवल अपने सैनिकों को विवादित क्षेत्रों से पीछे हटाया है, बल्कि सीमा पर शांति कायम करने के लिए नई व्यवस्थाओं को भी स्वीकारा है। ऐसी बदली परिस्थितियों में मोदी का शी से मिलना और रिश्तों में सुधार आना समयोचित है। आलोचक कह सकते हैं कि शीर्ष स्तरीय कूटनीति का यह नया दौर भी अंतत: विफल रहेगा और चीन भारत पर दबाव बनाता रहेगा, क्योंकि वह भारत को अपने बराबर नहीं आने देना चाहता है, लेकिन जिस पड़ोसी के साथ 3,488 किलोमीटर की सीमा लगती हो और जो एशिया के उन्हीं देशों में अपना दबदबा बना रहा हो, जहां भारत के राष्ट्रीय हित समाहित हैं, उसके साथ कम से कम सम्मानजनक कामकाजी रिश्ता होना तो आवश्यक ही है। एक उत्तरदायी और स्थिरता प्रिय देश होने के नाते भारत कभी भी चीन के साथ पुन: युद्ध नहीं चाहेगा। सीमा समस्या का समाधान अब भी दूर की कौड़ी लगती है, पर बातचीत और संपर्क बनाए रखने में कोई हानि नहीं है। चीन से संपर्क–संवाद बढ़ाने के बाद भी उसके साथ संबंधों में आई नरमी को लेकर भारत अत्यधिक आशावादी नहीं हो सकता। आपरेशन सिंदूर के समय चीन ने अपने सदाबहार मित्र पाकिस्तान को भारत के विरुद्ध अभूतपूर्व सैन्य सहायता दी। शी अपने चीन–पाकिस्तान आर्थिक गलियारे को अफगानिस्तान तक विस्तारित करने पर भी जोर दे रहे हैं, जिससे वहां भारत के प्रभाव पर असर पड़ेगा। दक्षिण एशिया और हिंद महासागर के प्रत्येक देश में चीन भारत के विकल्प के तौर पर पेश आ रहा है। इस मामले में भूराजनीतिक प्रतिस्पर्धा के कम होने की कोई संभावना नहीं है। मोदी और शी का हाथ मिलाना और आपसी हितों पर मंत्रणा करने का यह मतलब नहीं कि हिंदी–चीनी भाई–भाई का जमाना फिर आ जाएगा। सचेत और सावधान रहते हुए जिम्मेदारीपूर्वक कूटनीति करना भारत की पहचान है। फिलहाल चीन के साथ रिश्तों में नरमी को इसी नजरिये से देखना चाहिए। इस समय भारत और चीन संवेदनशीलता के आधार पर तब अपने मतभेदों को सुलझाने में रुचि ले रहे हैं, जब भारत और अमेरिका की सामरिक साझेदारी में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापार युद्ध के कारण आंच आई है। भारत में चीन के राजदूत ने यह तक दावा किया है कि दोनों देश अमेरिका की धमकी और धौंस के खिलाफ एकजुट हो सकते हैं, पर तथ्य यही है कि चीन भारत की ऐसी कोई क्षतिपूर्ति नहीं कर सकता, जो अमेरिका के टैरिफ की वजह से होगी। चीन ने भारत पर कृषि के लिए उर्वरकों, दुर्लभ खनिजों और सुरंग खोदने वाली मशीनों के निर्यात प्रतिबंध को हटाकर भरोसे की बहाली का संकेत तो दिया है, पर असलियत यह है कि चीन को भारत के साथ लगभग 100 अरब डालर का व्यापार अधिशेष प्राप्त है। ऐसे में चीन को अमेरिका का विकल्प मानना अथवा रणनीतिक उलटफेर की आशा करना, जिसमें चीन और भारत एक साथ आकर अमेरिका को चुनौती दें, यथार्थवादी सोच नहीं है। अमेरिका द्वारा छेड़ा गया व्यापार युद्ध कभी न कभी सुलझ जाएगा, लेकिन चीन और भारत के बीच असंतुलित व्यापार का समाधान आसान नहीं दिखता। चीन यह भी चाहता है कि भारत पश्चिमी देशों के साथ अपनी मित्रता तोड़े और उसके खेमे में आ जाए, लेकिन भारत स्वयं महाशक्ति बनने के मार्ग पर है। ऐसे में वह अपनी सामरिक स्वायत्ता पर समझौता नहीं करेगा। करना भी नहीं चाहिए। इन अंतर्विरोधों के बावजूद मोदी का शी के साथ संबंधों को सामान्य बनाने के प्रयास की अहमियत को कम करके नहीं आंकना चाहिए। भारत चीन के साथ सम्मानजनक संबंध चाहता है। यह केवल शक्ति और कूटनीति के संयोजन से ही संभव है।

राशिफल

मेष राशि : कार्यस्थल पर आपको किसी अधीनस्थ कर्मचारी के चलते किसी समस्या का सामना करना पड़ सकता है। जिसके चलते, तनाव बढ़ने की भी संभावना है। वहीं, आर्थिक मामलों में भी आपको सावधान रहना होगा, अन्यथा धन की हानि हो सकती है। ऐसे में कोई भी फैसला जल्दबाजी में न लें। हालांकि, ससुराल पक्ष से सहयोग मिल सकता है

वृषभ राशि : राजनीतिक क्षेत्र में आपका दिन लाभदायक सिद्ध हो सकता है और कुछ अनुभवी लोगों का सहयोग भी मिलेगा। कार्यक्षेत्र में लंबे समय से प्रोजेक्ट पर किए गए प्रयास अब सफल हो सकते हैं, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। वहीं, व्यापार में भी सोच-समझकर लिए गए निर्णयों से लाभ मिल सकता है

मिथुन राशि : व्यवसाय के क्षेत्र में दिन उत्तम रहने वाला है और आपको लाभ कमाने के सुनहरे अवसर प्राप्त हो सकते हैं। साथ ही, कार्यक्षेत्र में सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इसी के चलते आपको संतोष मिलेगा और समाज में भी मान-सम्मान बढ़ेगा।

कर्क राशि : आर्थिक मामलों में दिन शुभ रहने वाला है और लाभ कमाने के सुनहरे अवसर मिलेंगे। इसी के चलते धन वृद्धि के संयोग बनेंगे जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होती जाएगी। वहीं, समाज और कार्यक्षेत्र में आपका मान-सम्मान भी बढ़ेगा। शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थियों द्वारा की गई मेहनत रंग लगाएगी।

सिंह राशि : कार्यक्षेत्र में आपका प्रभाव बढ़ेगा और लोग आपकी राय को गंभीरता से लेंगे। नौकरी और व्यापार के मामले में भी आप सफलता की दिशा में आगे बढ़ते जाएंगे। ऐसे में आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी और कोई विशेष उपहार भी प्राप्त हो सकता है।

कन्या राशि : आर्थिक मामलों में दिन अच्छा रहने वाला है और आपको निवेशों से अच्छा लाभ प्राप्त हो सकता है। इसी के चलते धन लाभ के योग भी बनेंगे। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा और व्यवसाय के क्षेत्र में आप सफलता के मार्ग पर आगे बढ़ते जाएंगे। लेकिन अनावश्यक चीजों पर धन खर्च करने से बचना होगा

तुला राशि: राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को लाभ कमाने के अवसर मिल सकते हैं और किए गए प्रयासों से भी शुभ परिणाम प्राप्त होंगे। वहीं, आपको शासन सत्ता का सहयोग भी मिल सकता है। समाज में मान-सम्मान में वृद्धि होगी और कार्यस्थल पर प्रमोशन मिलने के भी योग हैं।

वृश्चिक राशि : कार्यक्षेत्र में अगर आपका काम या प्रोजेक्ट लंबे समय से बीच में रुका हुआ था, तो अब वह पूरा हो सकता है। इसी के चलते तनाव भी कम होगा। राजनीतिक क्षेत्र में शासन सत्ता का सहयोग मिल सकता है, जिससे सफलता के मार्ग पर आगे बढ़ेंगे।

धनु राशि : आर्थिक मामलों में दिन बेहतरीन रहने वाला है और आपको सफलता प्राप्त हो सकती है। लेकिन विपरीत परिस्थिति उत्पन्न होने पर आपको मधुर वाणी का प्रयोग करना होगा। ऐसा करने से मान-सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी, लेकिन स्वास्थ्य के प्रति सावधान रहना जरूरी होगा।

मकर राशि : व्यवसाय के क्षेत्र आपके द्वारा बनाई गई योजनाएं अब आगे बढ़ सकती हैं। जिसके चलते लाभ कमाने के सुनहरे अवसर भी प्राप्त होंगे। लेकिन कार्यक्षेत्र में कुछ कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में सोच-समझकर निर्णय लेना आपके लिए ज्यादा बेहतर रहेगा।

कुंभ राशि : जो लोग नौकरी की तलाश कर रहे हैं उन्हें आज कोई अच्छा अवसर मिल सकता है या जॉब मिलने की संभावना भी बनी हुई है। आर्थिक मामलों में लंबे समय से किए गए प्रयास अब आपको सफलता दिला सकते हैं, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। वहीं, ससुराल पक्ष से भी सहयोग मिल सकता है।

मीन राशि : आपका दिन आज बेहद भाग्यशाली रहने वाला है। समाज में मान-सम्मान में वृद्धि होगी और कार्यक्षेत्र में लाभ कमाने के अवसर मिलेंगे।

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

माता वैष्णो देवी के मार्ग पर विनाशलीला

(मनोज कुमार अग्रवाल)

चौबीसों घंटे माता रानी के जयकारों से गुंजायमान रहने वाला माता वैष्णो देवी मंदिर का मार्ग अब सन्नाटे में डूबा हुआ है। विनाशकारी भूस्खलन ने यहां न केवल 34 जिंदगियां लील लीं, बल्कि हजारों परिवारों को अनिश्चितता और भय के अंधेरे में धकेल दिया। कुछ तीर्थयात्री राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, पंजाब और महाराष्ट्र के रहने वाले थे। अज्ञात 10 शवों में से चार महिलाओं के हैं। अर्धकुंवारी मार्ग, जो तीर्थयात्रा का प्रमुख विश्राम स्थल है, अब मलबे और चट्टानों के ढेर में तब्दील हो चुका है। श्रद्धालुओं की भीड़ जहां कभी भक्ति और उमंग से भरी होती थी, वहां अब रोते-बिलखते लोग अपने प्रियजनों की तलाश में भटक रहे हैं।

जम्मू कश्मीर के रियासी जिले के कटरा में स्थित वैष्णो देवी मंदिर के रास्ते में अर्धकुंवारी मां के पास हुए भूस्खलन में अब तक 34 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। बीस घायल अस्पतालों में इलाज के लिए भर्ती है। मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है क्योंकि अभी कुछ और लोगों के दबे होने की आशंका है। बचाव कार्य जारी है। गंभीर हालात को देखते हुए उत्तर रेलवे ने जम्मू और कटरा स्टेशनों से आने-जाने वाली 58 ट्रेनों को रद्द कर दिया और 64 ट्रेनों को विभिन्न स्टेशनों पर बीच में ही रोकना पड़ा। धराली, थराली, मनाली, किश्तवाड़ के बाद माता वैष्णो देवी के त्रिकुटा पर्वत पर कुदरत के कहर से हुई इन मौतों ने देश को झकझोर दिया है। ताजा हादसे ने माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के कामकाज पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या उसकी नीतियां सही है? क्या लगातार निर्माण कार्य और बढ़ती दुकानें त्रिकुटा पर्वत पर उचित हैं? क्या भक्तों की संख्या बढ़ाने के लिए पहाड़ और पेड़ों का दोहन उचित है? क्या त्रिकुटा पर्वत पर भोजनालय चलाने और अन्य कामों के लिए डीजल वाहनों के आने-जाने की परमिशन देनी उचित है? क्या बाणगंगा से लेकर ऊपर दरबार तक बढ़ती जा रही गंदगी पर किसी का ध्यान है? शायद नहीं।

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने हादसे के बाद उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के नियंत्रण वाले वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के उस फैसले पर सवाल उठाया, जिसमें भारी बारिश की चेतावनी के बावजूद तीर्थयात्रा जारी रखने की अनुमति दी गई थी। अब्दुल्ला ने कहा कि जब हमें मौसम के बारे में पता था तो लोगों को यात्रा मार्ग पर क्यों नहीं रोका गया? उन्हें सुरक्षित स्थान पर क्यों नहीं ले जाया गया?

भारतीय वायुसेना ने जम्मू और उत्तरी पंजाब के बाढ़ग्रस्त इलाकों में राहत और बचाव कार्यों के लिए छह हेलीकॉप्टर को सेवा में लगाया तथा गुरदासपुर के डेरा बाबा नानक कस्बे से सेना के 38 और बीएसएफ के 10 जवानों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। इससे पहले राहत और बचाव सामग्री लेकर भारतीय वायुसेना का सी-130 परिवहन विमान, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की एक टीम के साथ जम्मू में उतरा। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि बचाव कार्य में शामिल होने के लिए और अधिक परिवहन विमान तैयार रखे गए हैं। सोशल मीडिया पर अब इस हादसे को लेकर स्थानीय और बाहरी श्रद्धालुओं का गुस्सा फूट रहा है। जिस रास्ते से चौबीस घंटे सातों दिन रात श्रद्धालु माता के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ते थे, वहां कुदरत के कहर ने गहरा घाव दिया है जिसे हजारों परिवार जीवन भर नहीं भुला पाएंगे। श्रद्धालु टिप्पणी कर रहे हैं- यह क्यों मां? मां के घर में यह कैसी आपदा है? क्या दोषी हम हैं? दुर्गा सप्तशती के आखिर में मां से क्षमा मांगने के लिए क्षमा प्रार्थना मंत्र का पाठ किया जाता है। भूल में हुई अपनी गलती के लिए क्षमा मांगी जाती है। क्या यह भूल हमसे हुई है? सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल है। कटरा का रहने वाला शख्स रोते हुए बता रहा है कि कैसे मां के घर त्रिकुटा पर्वत को विकास के नाम पर बर्बाद कर दिया गया है। सोशल मीडिया पर एक कटरावासी ने साफ-साफ कहा कि श्राइन बोर्ड की किताबों से लेकर रामायण तक में साफ-साफ लिखा है कि मां वैष्णो देवी प्रभु श्रीराम के लिए तपस्या कर रही हैं। श्रीराम ने उन्हें वादा किया था कि कलयुग में जब वो लौटेंगे तो माता को स्वीकार करेंगे। ऐसे में माता की तपस्या को प्रदूषण, गाड़ियों के हॉर्न, पेड़ों की कटाई और लगातार हो रहे निर्माण से क्यों बाधा पहुंचाई जा रही है? मां गुस्से में हैं। कारण साफ है, उनकी हजारों सालों की तपस्या में बाधा आ रही है। श्राइन बोर्ड भीड़ बढ़ाने के लिए त्रिकुट पर्वत को व्यवसाय के रूप में चलाने लगा है। गरीब भक्तों के लिए इंतजाम के नाम पर कुछ नहीं किया जा रहा है।

बाणगंगा से लेकर भैरवनाथ तक हर जगह पहाड़ पर कूड़े के ढेर दिख रहे हैं। इस व्यक्ति ने बताया कि त्रिकुटा पर्वत पर हर जगह पानी है। हर जगह से पानी गिरता रहता है। पेड़ों के कारण वातावरण एकदम साफ-सुथरा था, मगर अब व्यवसायिकता सब कुछ बर्बाद कर रही है। अगर अब भी श्राइन बोर्ड और सरकार न जागी तो और बड़ा अनर्थ हो जाएगा। माता ही चली जाएंगी तो इन रौशनियों को देखने कौन आएगा? कौन त्रिकुटा पर्वत पर आएगा? सबसे जरूरी है कि मां की तपस्या में बाधा न पड़े। इसके लिए सभी को आगे आना होगा।

एक अन्य पोस्ट मे लिखा हुआ है इस पर्वत को बख्श दो, पेड़ लगाओ इधर, तबाही हो गई है लोगों की, नहीं देखा जाता अब, दो महीने पहले भी तबाही की और अब फिर से तबाही कर दी आपने। माता रानी के पहाड़ों की जड़ें लेकर रख दीं आपने। कितना डिवलेपमेंट करना है। कहीं और जाकर डेवलपमेंट करो। इधर न करो। जो जहाजों की टिकट लेते है ना उसको श्राइन बोर्ड के खिलाफ कुछ नहीं बोलना है। जिसको अच्छे दर्शन चाहिए वह बोर्ड के खिलाफ बोलता ही नहीं है। यार बोलना पड़ेगा। जब त्रिकुटा पर्वत नहीं रहेगा ना तो कटरा भी नहीं रहेगा। मातारानी भी नहीं रहेगी। पहाड़ नहीं रहेगा। न यात्रा रहेगी। यह जगमग लाइटें नहीं रहेंगी। आपने पहाड़ की तबाही कर दी है। त्रिकुटा पर्वत को बख्श दो। आपको मातारानी का वास्ता। इस पहाड़ में सिर्फ पानी है। मैं बचपन से यहां रहता हूं। मेरी जन्मभूमि है कटरा। आप यहां जेसीबी चला रहे हो। स्थानीय लोगों का कहना है कि माता के दरबार तक लगातार पहाड़ी का कटान कर चार रास्ते बना लिए गए हैं। पहाड़ी पर आवागमन करते हैलीकॉप्टर सेवा और भारी तादाद में लोगों के आवागमन से भोगौलिक पर्यावरण पर बेहद बुरा असर पड़ रहा है। अभी भी कटरा और जम्मू के होटलों और गेस्ट हॉउस में करीबन 20 हजार यात्री रुके हुए थे। अर्धकुंवारी के पास 200 फीट हिस्सा बुरी तरह खराब हो गया है, यात्रा ट्रेक को ठीक करने में अभी समय लग सकता है। जम्मू के मौसम में सुधार तो आया है, लेकिन कश्मीर में लगातार बारिश से झेलम के साथ-साथ कई नदी-नालों का जलस्तर खतरे के निशान पर पहुंच गया है।

राहुल गांधी की वोट यात्रा किसे चुनाव जिताएगी

राजेश कुमार पासी

बिहार में मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण चल रहा है जिसे मुद्दा बनाकर राहुल गांधी ने वोट अधिकार यात्रा शुरू की है। इस यात्रा में अच्छी-खासी भीड़ जुट रही है. इससे उत्साहित होकर राहुल गांधी ने अपना पूरा जोर इस यात्रा में लगाया हुआ है। उन्होंने इस यात्रा को चुनाव प्रचार की तरह बढ़ाना शुरू कर दिया है। कांग्रेस और दूसरे विपक्षी दल आजकल राहुल गांधी के पीछे चल रहे हैं और राहुल गांधी का कहना है कि मतदाता सूची में गड़बड़ी करके भाजपा चुनाव चोरी कर रही है। वो बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण को भी वोट चोरी से जोड़ रहे हैं। उनका कहना है कि चुनाव आयोग भाजपा के इशारे पर दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों के वोट काट रहा है क्योंकि ये लोग हमें वोट देते हैं। अब सवाल उठता है कि इस यात्रा से चुनाव में किसको फायदा होगा और किसको नुकसान होगा। कुछ लोगों के लिए यह सवाल अजीब हो सकता है क्योंकि उन्हें लगता है कि राहुल गांधी सड़क पर उतर कर मेहनत कर रहे हैं तो फायदा गठबंधन को ही होने वाला है। सवाल यह है कि क्या राजनीति इतनी सीधी और सपाट होती है। अगर राजनीति सच में इतनी सीधी और सपाट होती तो विश्लेषण की जरूरत ही नहीं पड़ती। वो कहते हैं कि उनके पास वोट चोरी का सबूत है. सवाल यह है कि क्या उन्हें सुप्रीम कोर्ट पर यकीन नहीं है. अगर सबूत हैं तो मामले की सुनवाई जो सुप्रीम कोर्ट में चल ही रही है वहां अपने सबूत क्यों नहीं पेश करते। इस यात्रा का आधार ही यही है कि वोट चोरी हो रही है। जब विपक्ष खुद ही सारा मामला सुप्रीम कोर्ट में ले जा चुका है तो वो क्यों नहीं सारी बातें माननीय अदालत में रखता। इसके विपरीत सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर विपक्ष को कई बार लताड़ लगा चुका है कि चुनाव आयोग सही काम कर रहा है. आप अपने आरोप साबित नहीं कर पा रहे हैं। एक तरफ देश की सबसे बड़ी अदालत में लड़ना, दूसरी तरफ सड़क पर उतर जाना सही रणनीति नहीं है। अगर सड़क पर उतरना था तो अदालत में नहीं जाना चाहिए था। इस यात्रा में शामिल होने के लिए कांग्रेस ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन और तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को बुलाया था। जो नेता अपने प्रदेशों में बिहार के लोगों को गाली देते हैं, उनको काम करने से रोकते है, उन्हें इस यात्रा में लाने की रणनीति क्या है। विशेष रूप से स्टालिन और उनकी पार्टी की छवि हिंदी, हिन्दू और उत्तर भारतीय विरोधी की है। ऐसे नेता अगर चुनाव प्रचार करते हैं तो भाजपा का ही रास्ता साफ होने वाला है। बिहारियों का अपमान करने वाले लोग राहुल गांधी के साथ दिखाई देंगे तो बिहार में इसका राजनीतिक फायदा होगा या नुकसान होगा।

डीएमके नेता दयानिधि मारन में कहा था कि उत्तर प्रदेश और बिहार के लोग तमिलनाडु में आकर शौचालय साफ करते हैं, वो इसी लायक हैं। आजकल लोग ऐसे नेताओं के पुराने वीडियो निकाल कर वायरल कर देते हैं, इसलिए पार्टी को सोच समझकर काम करना चाहिए। डीएमके नेताओं के पुराने बयान भाजपा का आईटी सेल सोशल मीडिया में वायरल कर रहा है। बिहार में सवाल पूछा जा रहा है कि जब बिहारियों को तमिलनाडु में परेशान किया जा रहा था तो स्टालिन कहाँ थे. राहुल गांधी बिहारियों की मदद करने तमिलनाडु क्यों नहीं गए और चुप क्यों रहे। गुरुवार को यात्रा के एक मंच से मोदी जी को मां की गाली दी गई जिसे भाजपा ने मुद्दा बना लिया है। इससे यात्रा की छवि खराब हो रही है। खुद राहुल गांधी प्रधानमंत्री मोदी के लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। वो मोदी जी के लिए तू-तड़ाक वाली भाषा बोल रहे हैं और मोदी जी पर निजी हमले कर रहे हैं। स्पष्ट रूप से राहुल गांधी में राजनीतिक परिपक्वता की कमी दिखाई दे रही है. वो बोलते हैं तो ऐसा लगता है कि कोई नौसिखिया बोल रहा है जबकि उन्हें राजनीति करते हुए 20 साल से ज्यादा का समय हो चुका है। उनकी परवरिश भी एक राजनीतिक माहौल में हुई है. अगर ऐसे माहौल में पले-बढ़े व्यक्ति की राजनीतिक समझ पर सवाल उठता है

मराठा प्रदर्शनकारियों की सरकार से बातचीत फेल

मनोज जरांगे पाटिल ने रखी बड़ी मांग, पांच बड़े अपडेट

महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण की मांग को लेकर मुंबई में धरने पर बैठे मनोज जरांगे पाटिल ने अपने तेवर तीखे कर लिए है। जरांगे पाटिल के अनशन के दूसरे दिन सरकार के साथ बातचीत बेनतीजा रही। केंद्रीय मंत्री अमित शाह के मुंबई में होने के कारण यह मामल उनके सामने भी उठा, लेकिन गतिरोध का हल नहीं निकला। जरांगे पाटिल मराठों के ओबीसी में आरक्षण मांग रहे हैं।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः मुंबई के आजाद मैदान में मराठा आरक्षण की मांग को लेकर डटे मनोज जरांगे पाटिल का आंदोलन पेचीदा होता जा रहा है। दूसरे दिन सरकार और मराठा प्रदर्शनकारियों के बीच बातचीत फेल हो गई। मनोज जरांगे पाटिल ने सरकार से मांग की है कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज किए गए सभी मामले तुंरत वापस लिए जाएं। चर्चा है कि गृह मंत्री अमित शाह के मुंबई में होने के कारण सीएम के वर्षा बंगले पर इस मुद्दे पर चर्चा हुई, लेकिन जरांगे ने फिलहाल पीछे हटने और आजाद मैदान खाली करने से मना कर दिया है। इस बीच बड़ा अपडेट सामने आया है कि जरांगे की तरफ से मुंबई पुलिस को एक एप्लीकेशन दी गई है। इसमें आजाद मैदान में आंदोलन की मंजूरी को बढ़ाने की आग्रह किया गया है। 43 साल के मनोज जरांगे पाटिल की मांग है कि मराठवाड़ा में मराठों को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी के तहत 10 प्रतिशत आरक्षण दिया जाए। मुंबई पुलिस को मिली नई एप्लीकेशनः सरकार के साथ बातचीत फेल होने के साथ मनोज जरांगे पाटिल की तरफ से मुंबई पुलिस को एक एप्लीकेशन मिली है। इसमें आजाद मैदान में मनोज जरांगे पाटिल के मराठा आरक्षण आंदोलन को एक और दिन के लिए अनुमति देने का आवेदन देने की मांग की गई है। एक अधिकारी ने बताया कि इस अनुरोध पर विचार किया जा रहा है और कुछ समय में इस पर निर्णय लिया जाएगा। गौरतलब हो कि मुंबई पुलिस ने जरांगे को 29 अगस्त की शाम छह बजे प्रदर्शन की अनुमति दी थी। शनिवार को उद्धव ठाकरे के गुट के नेता अंबादास दानवे ने भी जरांगे से मुलाकात की। मराठों को घोषित करें कुनबीः मनोज जरांगे पाटिल ने मांग की है कि आरक्षण गतिरोध जारी तक मराठवाड़ा के मराठों को कुनबी घोषित किया जाना चाहिए। जारंगे और न्यायमूर्ति संदीप शिंदे वाले सरकारी प्रतिनिधिमंडल के बीच बातचीत किसी समझौते पर नहीं पहुंच पाई। न्यायमूर्ति शिंदे ने जारंगे को बताया कि राज्य सरकार ने हैदराबाद गजट को लागू करने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है और अब समिति चर्चा को आगे बढ़ाने के लिए कैबिनेट उपसमिति से मुलाकात करेगी। जारंगे ने जोर देकर कहा कि सरकार को मराठवाड़ा के सभी मराठों को कुनबी घोषित करना चाहिए और उन्हें आरक्षण दिया जाना चाहिए। जरांगे ने यह भी कहा कि धैर्य की परीक्षा न ली जाए। शरद पवार बोले-संविधान संशोधन जरूरीः मनोज जरांगे पाटिल के भूख हड़ताल पर बैठके के बाद जहां महाराष्ट्र में राजनीति गर्म है तो वहीं एनसीपी (एसपी) नेता शरद पवार ने कहा है आरक्षण संबंधी मुद्दों के समाधान के लिए संविधान संशोधन आवश्यक है, क्योंकि समग्र आरक्षण की एक सीमा है। उन्होंने कहा कि लगभग 80 प्रतिशत मराठा खेती पर निर्भर हैं, लेकिन केवल कृषि ही उनका भविष्य सुरक्षित नहीं कर सकती, इसलिए आरक्षण ही एकमात्र विकल्प है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे की मांगों को कानूनी और संवैधानिक ढाँचे के भीतर पूरा करने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि मराठा समुदाय को शिक्षा और रोजगार प्रदान करने के लिए सबसे ज्यादा फैसले 2014 से 2025 के बीच लिए गए। उन्होंने कहा कि यह वह अवधि है जब ज्यादातर समय बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकारें सत्ता में रही हैं। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने शनिवार दोपहर दावा किया कि उसने आजाद मैदान में दो ट्रक बजरी डाल दी है और आवश्यक नागरिक सुविधाएं उपलब्ध करा दी हैं। धरना स्थल पर जमा कीचड़ को साफ कर दिया गया है और रास्ते को समतल करने के लिए पहुंच मार्ग पर दो ट्रक बजरी बिछा दी गई है।

फास्ट ट्रैक

पश्चिम रेलवे द्वारा मुंबई सेंट्रल एवं इंदौर के बीच स्पेशल ट्रेन के फेरे विस्तारित

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई, पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा विशेष रूप से त्योहारी सीजन के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से मुंबई सेंट्रल एवं इंदौर के बीच विशेष किराये पर चलने वाली स्पेशल ट्रेन के फेरों को मौजूदा समय, ठहराव और संरचना के अनुसार विस्तारित किया गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार हैः

ट्रेन संख्या 09085/09086 मुंबई सेंट्रल - इंदौर (त्रि - साप्ताहिक) स्पेशल [12 फेरे]

ट्रेन संख्या 09085 मुंबई सेंट्रल - इंदौर स्पेशल ट्रेन प्रत्येक सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को मुंबई सेंट्रल से 23.20 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 13.00 बजे इंदौर पहुँचेगी। इस ट्रेन के फेरों को 1 से 12 सितंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09086 इंदौर - मुंबई सेंट्रल स्पेशल ट्रेन इंदौर से प्रत्येक मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को 17.00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 07.10 बजे मुंबई सेंट्रल पहुँचेगी। इस ट्रेन के फेरों को 2 से 13 सितंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, दाहोद, रतलाम और उज्जैन स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी 2-टियर और एसी 3-टियर कोच हैं।

ट्रेन संख्या 09085 एवं 09086 के विस्तारित फेरों की बुकिंग 31 अगस्त, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

राज्य में टइश्शपुलिस प्रथम स्थान :ई-गवर्नेंस सुधार के क्षेत्र में वेबसाइट, एआई-चैटबॉट जैसे मानदंडों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

महाराष्ट्र में 7 मई, 2025 से 2 अक्टूबर, 2025 तक चलाए गए 150 दिवसीय ई-गवर्नेंस सुधार अभियान की अंतरिम प्रगति समीक्षा में मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस कमिश्नरेट ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राज्य के सभी पुलिस आयुक्त कार्यालयों में प्रथम स्थान हासिल किया है। इस अभियान का उद्देश्य राज्य, संभागीय और जिला प्रशासन को अधिक जनोन्मुखी, गतिशील और पारदर्शी बनाना है।

29 अगस्त, 2025 को हुई समीक्षा में वेबसाइट, डैशबोर्ड, आपले सरकार पोर्टल, ई-ऑफिस प्रणाली, व्हाट्सएप चैटबॉट, एआई/ब्लॉकचेन और जीआईएस जैसे मानदंडों पर प्रदर्शन का मूल्यांकन किया गया। इस मूल्यांकन में मीरा-भायंदर, वसई विरार पुलिस कमिश्नरेट ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी कार्यकुशलता और तकनीकी नवाचार का लोहा मनवाया। इस उपलब्धि के लिए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पुलिस आयुक्त और उनकी पूरी टीम को प्रशंसा पत्र प्रदान कर बधाई दी। उन्होंने इस अभियान को और अधिक प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए शुभकामनाएं दीं। इस अभियान के अंतिम परिणाम 2 अक्टूबर, 2025 को घोषित होंगे। मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस कमिश्नरेट के इस शानदार प्रदर्शन ने न केवल क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है, बल्कि अन्य पुलिस आयुक्त कार्यालयों के लिए भी एक प्रेरणादायक उदाहरण स्थापित किया है।

गणपति उत्सव के बाद वसई-विरार क्षेत्र में 141 अनधिकृत ढाँचे गिराए जाएँगेः गणेश नाइक

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

महाराष्ट्र के मंत्री गणेश नाइक ने शुक्रवार को कहा कि पालघर जिले के वसई-विरार क्षेत्र में चिन्हित कुल 141 अनधिकृत इमारतों को 10 दिवसीय गणपति उत्सव के समापन के बाद ध्वस्त कर दिया जाएगा। वे बुधवार को विरार पूर्व में इमारत ढहने से प्रभावित लोगों से मिलने के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे, जिसमें 17 लोगों की जान चली गई थी। यह इमारत उसी दिन रात 12.05 बजे विजय नगर में बगल के एक खाली पड़े मकान पर गिर गई थी। उन्होंने कहा, ₹यह घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। यही हालात हैं जो लोगों को ऐसी अवैध इमारतों में रहने के लिए मजबूर करते हैं। वास्तव में, हम वर्षों की लापरवाही की कीमत चुका रहे हैं, जब ऐसी संरचनाओं को बिना किसी रोक-टोक के बनने दिया गया। ₹ नाइक ने कहा, ₹वसई-विरार क्षेत्र में कुल 141 अनधिकृत इमारतों की पहचान की गई है। गणेश उत्सव के बाद, इन सभी संरचनाओं को ध्वस्त कर दिया जाएगा। मैं नगर आयुक्त को सख्त कार्रवाई करने के लिए पूरा समर्थन देता हूँ। महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा मनाए जाने वाले त्योहारों में से एक, यह गणेश चतुर्थी (27 अगस्त) से शुरू होकर अनंत चतुर्दशी (6 सितंबर) को समाप्त होता है। इन इमारतों में रह रहे निवासियों के पुनर्वास के मुद्दे पर, नाइक ने कहा कि वह अगली कैबिनेट बैठक के बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के समक्ष यह मुद्दा उठाएंगे। महाराष्ट्र के मंत्री गणेश नाइक ने शुक्रवार को कहा कि पालघर ज़िले के वसई-विरार क्षेत्र में चिन्हित कुल 141 अनधिकृत इमारतों को 10 दिवसीय गणपति उत्सव के समापन के बाद गिरा दिया जाएगा। वह बुधवार को विरार पूर्व में इमारत ढहने से प्रभावित लोगों से मिलने के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे, जिसमें 17 लोगों की मौत हो गई थी। निवासियों के पुनर्वास के मुद्दे पर, नाइक ने कहा कि वह इस मुद्दे को मुख्यमंत्री फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के समक्ष उठाएंगे। यह इमारत उस दिन रात 12.05 बजे विजय नगर स्थित एक खाली पड़े मकान पर गिर गई थी। उन्होंने कहा, ₹यह घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। यही परिस्थितियाँ लोगों को ऐसी अवैध इमारतों में रहने के लिए मजबूर करती हैं। वास्तव में, हम वर्षों की लापरवाही की कीमत चुका रहे हैं, जब ऐसी संरचनाओं को बिना किसी रोक-टोक के बनने दिया गया। ₹ मंत्री ने स्थिति का आकलन करने और भविष्य में ऐसी त्रासदियों को रोकने के लिए एक रोडमैप तैयार करने हेतु वरिष्ठ अधिकारियों और निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ एक उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक भी की। इस बैठक में ज़िला कलेक्टर इंदु रानी जाखड़, वसई विरार नगर निगम (वीवीएमसी) आयुक्त मनोज कुमार सूर्यवंशी, सांसद हेमंत सावरा और विधायक स्नेहा पंडित-दुबे और राजन नाइक भी उपस्थित थे। इस बीच, पंडित-दुबे ने एक बयान में उन अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की जो कथित तौर पर अनधिकृत निर्माण में शामिल लोगों को संरक्षण दे रहे हैं। उन्होंने कहा, ₹नागरिकों के जीवन से खिलवाड़ करने वाले अवैध निमार्णों को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रशासन को सख्त कदम उठाने चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाएँ दोबारा न हों। विधायक ने कहा कि कई चेतावनियों के बावजूद पूर्व और वर्तमान नगर निगम अधिकारी कार्रवाई करने में विफल रहे। उन्होंने अन्य बातों के अलावा अनधिकृत निमार्णों की पहचान करने के लिए विशेष वार्डवार टीमों के गठन, दोषी अधिकारियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई आदि की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ अधिकारियों और भूमि या चॉल माफिया के बीच मजबूत गठजोड़ है, और कहा कि इस नेटवर्क को खत्म किए बिना, इस तरह के घातक निर्माण बढ़ते रहेंगे।

वसईविरार :डेढ़ दिन के गणेश प्रतिमा विसर्जन में उत्साह

VVCMC के कृत्रिम तालाबों पर नागरिकों की शानदार प्रतिक्रिया

कुल 11448 गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

28 अगस्त को गणेश प्रतिमा विसर्जन का डेढ़ दिन का कार्यक्रम बड़े उत्साह और भावुक माहौल में संपन्न हुआ। नगर निगम द्वारा गणेश प्रतिमा विसर्जन के लिए तैयार किए गए कृत्रिम तालाबों पर नागरिकों की अच्छी प्रतिक्रिया देखी गई। पिछले वर्ष की तुलना में कृत्रिम तालाबों में प्रतिमा विसर्जन की दर में वृद्धि देखी गई। इस वर्ष डेढ़ दिन में हुए कुल 13682 गणेश प्रतिमा विसर्जनों में से 11448 गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन नगर निगम के कृत्रिम तालाबों में किया गया। अर्थात कुल 83% प्रतिमाओं का विसर्जन कृत्रिम तालाबों में किया गया। विसर्जन की पूरी प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न हुई। वसई विरार शहर मनपा आयुक्त मनोज कुमार सूर्यवंशी (भा.पु.से.) एवं अपर आयुक्त संजय हेरवाडे तथा दीपक सावंत के मार्गदर्शन में इस वर्ष नगर निगम द्वारा मूर्ति विसर्जन हेतु कुल 116 कृत्रिम तालाब बनाए गए हैं और दो बंद खदानों तथा पाँच घाटों पर भी सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं। प्रत्येक वार्ड में 2 मोबाइल टैंक, तथा 9 वार्डों में मूर्ति विसर्जन हेतु 18 मोबाइल टैंक उपलब्ध कराए गए हैं। आयुक्त मनोज कुमार सूर्यवंशी ने स्वयं विसर्जन स्थल का दौरा किया और विसर्जन योजना का निरीक्षण किया साथ ही दोनों अपर आयुक्त, मनपा के सभी उपायुक्त, सभी सहायक आयुक्त, विभागाध्यक्ष, अग्निशमन विभाग के कर्मचारी और अन्य कर्मचारी प्रत्येक वार्ड में विसर्जन स्थल पर उपस्थित रहे और विसर्जन प्रक्रिया को सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने का प्रयास करते रहे। पर्यावरण के अनुकूल गणेशोत्सव मनाने और माननीय न्यायालय के आदेश के अनुपालन में, नगर निगम आयुक्त माननीय श्री मनोज कुमार सूर्यवंशी ने नागरिकों से अपील की है कि वे पाँच दिवसीय, सात दिवसीय, गौरी विसर्जन और अनंत चतुर्दशी विसर्जन के दौरान कृत्रिम तालाबों को प्राथमिकता दें और प्रकृति को नुकसान न पहुँचाएँ।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

कल्याण (पूर्व) के चक्की नाका श्री मलंग रोड स्थित ठाकुर सदन में अनिकेत वैकुंठ ठाकुर द्वारा स्थापित विघ्नहर्ता श्री गणेश जी की अलौकिक मूर्ति के दर्शन का पुण्य लाभ लेते हुए वरिष्ठ पत्रकार एच.पी. तिवारी और समाजसेवी विजय खरवार।

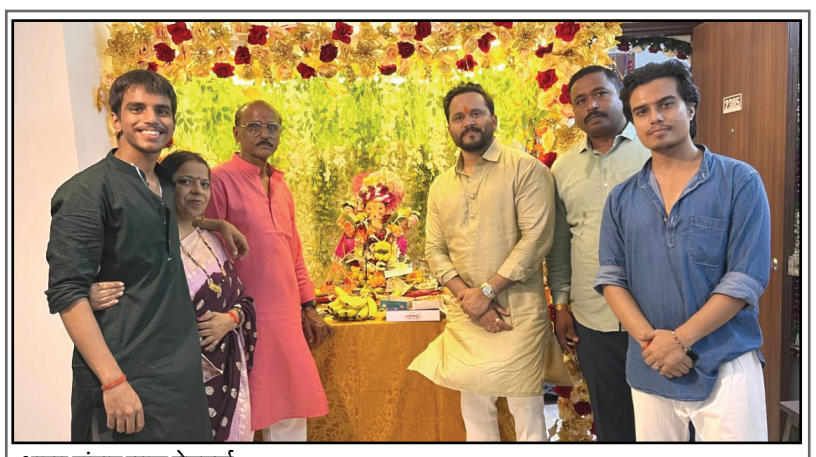

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

डोम्बिवली पूर्व रूनवाल गार्डन में ध्रुव दिनेश चौबे के घर पर विराजमान सुखकर्ता भगवान श्री गणेश जी।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुम्बई। समाजसेवी एडवोकेट डॉ अमर मिश्रा के आवास पर विराजमान गणपति बप्पा का दर्शन करने के बाद यादगार के लिए चित्र खिंचवाते सुप्रसिद्ध कवि सुरेश मिश्रा, प्रिंसिपल मिथिलेश मिश्रा, पूर्व प्रिंसिपल अशोक सिंह, प्रमोद उपाध्याय, अरविंद शुक्ला, पंकज सिंह आदि।

काशी-मथुरा विवाद पर इस्लामिक विद्वान मुफ्ती वजाहत कासमी का बड़ा बयान

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः इस्लामिक विद्वान मुफ्ती वजाहत कासमी ने मथुरा-काशी विवाद पर एक महत्वपूर्ण बयान दिया है। उन्होंने कहा कि हर समस्या का समाधान आंदोलन से नहीं होता। बल्कि बातचीत से भी हल निकाला जा सकता है। उन्होंने राम मंदिर निर्माण का उदाहरण देते हुए कहा कि मुस्लिम समुदाय ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया था।

महिला का पीछा करने, अश्लील संदेश और तस्वीरें भेजने के आरोप में कारोबारी गिरफ्तार

महाराष्ट्र के पालघर जिले के वाडा से एक कारोबारी को 24 वर्षीय युवती का कथित तौर पर पीछा करने और अश्लील संदेश भेजने के आरोप में शनिवार को गिरफ्तार किया गया। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। वाडा पुलिस थाना के अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पहचान ट्रैवल व्यवसायी देवेंद्र पाटिल (30) के रूप में हुई है।

पश्चिम रेलवे

सामग्री प्रबंधन विभाग

विभिन्न सामग्री की आपूर्ति

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना क्र. एस/57/2025 दिनांक : 28.08.2025

अ. क्र.	आइटम का संक्षिप्त विवरण	मात्रा	टी.ओ.डी.
489	क्रैश वर्दी फैन गार्ड	8613 नग	29-सितंबर-25
490	अपग्रेडेड हाई टेन्साइल सीबीसी हेतु नकल थ्रोअर	14857 नग	29-सितंबर-25
491	बोल्स्टर स्नबर स्प्रिंग	4440 नग	30-सितंबर-25
492	स्टेनलेस स्टील फुटस्टेप कम्प्लीट	1706 नग	01 – अक्तूबर – 25
493	कमिन्स हेतु रेडिएटर	7 नग	09-अक्तूबर-25
494	टॉप एंड बॉटम हेतु पीयू लाइनिंग	5270 सेट	13-अक्तूबर-25
495	स्टॉपर के साथ राउंड प्लेट बॉन्डेड	12780 नग	15-अक्तूबर – 25
496	अंडरफ्रेम का हार्नेस	7 सेट	22-अक्तूबर-25
497	बोगी फ्रेम कम्प्लीट	20 नग	23-अक्तूबर-25
498	आर/एम पेंट सिंथेटिक एनामेल, एक्स्टीरियर, फिनिशिंग, कलर : जेशियन ब्ल्यू	58486 लीटर	03-नवंबर-25
499	स्टार्टर लीड एसिड बैटरी क्षमता 8वी, 290 एएच	128 नग	05 – नवंबर-25

शुद्धिपत्र

कृपया निविदा सूचना क्र. एस-50-2025 दिनांक : 01.08.2025 में अ.क्र. 423 हेतु निर्धारित तिथि 17.09.2025 पढ़ें.

ईएमडी, क्रय प्रतिबंधों और विस्तृत निविदा शर्तों युक्त विस्तृत सूचना के संबंध में अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in तथा wr.indianrailways.gov.in का अवलोकन करें. 0549

Like us on: facebook.com/WesternRly • Follow us on: x.com/WesternRly

मध्य रेल

सोलापुर विभाग

इंजीनियरिंग कार्य

मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) सोलापुर, भारत के राष्ट्रपति के लिये और उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिये ई–निविदये आमंत्रित करते है.

निविदाक्र.: 32-2025-SrDENC, **कार्य का नाम :** **1.** Intensive rag picking in track and adjacent area beyond 50 m from longest platform on station approaches under ADEN/KWV/BG Two year. **2.** Intensive rag picking in track and adjacent area beyond 50 m from longest platform on station. approaches under ADEN/LUR Two year. **3.** Intensive rag picking in track and adjacent area beyond 50 m from longest platform on station approaches under ADEN/PVR Two year. **अनुमानित लागत रु.:** 1,42,54,310.40, **बयानाराशि रु.:** 2,21,300.00, **समापन की अवधी :** 24 Months, **रखरखाव अवधि :** Nil, **www.ireps.gov.in इस वेब साईट पर टेंडर अपलोड करणे कि अंतिम दिनांक और समय:** 23.09.2025 को 15.00 बजे तक, **www.ireps.gov.in इस वेब साईट पर टेंडर खुलने का दिनांक और समय:** 23.09.2025 को 15.30 बजे, निविदाकारोंसे निवेदन हैं की कोई बदलाव / शुद्धिपत्र (यदि हो) के लिये **website : www.ireps.gov.in** परटेंडर बंद होने की तारीख तक समय समय पर भेंट दें।

मंडल रेल प्रबंधक (कार्य), सोलापुर

Download UTS App for Tickets SLP-56

पश्चिम रेलवे

ओवरहॉलिंग

वरि. मंडल विद्युत अभियंता (सब.), पश्चिम रेलवे, मुंबई सेंट्रल द्वारा **ई-निविदा क्र. : डब्ल्यूआर-एमएमसीटीओईएसयूबी (ईएसपीटी)/4/2025 (आरटी)** आमंत्रित की जाती है. **कार्य का नाम :** मुंबई मंडल के चर्चगेट – विरार अनुभाग में टीएसएस, एसपी/एसएसपी के आलिंद मेक 25 केवी सिंगल पोल वैक्युम सर्किट ब्रेकर्स की सावधिक ओवरहॉलिंग. **कार्य की अनुमानित लागत :** रु. 2,90,21,398.10. **बोली सुरक्षा :** रु. 2,95,100. **जमा करने की तिथि एवं समय :** 29.09.2025 को 15.00 बजे तक, **खुलने की तिथि एवं समय :** 29.09.2025 को 15.30 बजे. अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** का अवलोकन करें. 0551

Like us on : facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

मल्टी – स्पोर्ट्स टर्फ/फील्ड

मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए), पश्चिम रेलवे, 6ठी मंजिल, इंजीनियरिंग विभाग, मुंबई सेंट्रल मुंबई – 400008 द्वारा **निविदा सूचना क्र. : बीसीटी/25-26/200 दिनांक : 28.08.2025** आमंत्रित की जाती है. **कार्य एवं स्थान :** सांताक्रूज – प्रभात कॉलोनी : मुंबई सेंट्रल मंडल अंतर्गत रेलवे स्टाफ कॉलोनी में मल्टी-स्पोर्ट्स टर्फ/फील्ड (संयुक्त निविदा). **कार्य की अनुमानित लागत :** रु. 36,35,768.45. **ईएमडी :** रु. 72,700.00. **जमा करने की तिथि एवं समय :** 23.09.2025 को 15.00 बजे तक, **खुलने की तिथि एवं समय :** 23.09.2025 को 15.30 बजे. अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** का अवलोकन करें. 0544

Like us on : facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

विभिन्न कार्य

मंडल रेलवे प्रबंधक (डब्ल्यूए), पश्चिम रेलवे, 6ठी मंजिल, इंजीनियरिंग विभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई – 400 008 द्वारा **निविदा सूचना क्र. : बीसीटी/25-26/206 दिनांक : 28.08.2025** आमंत्रित की जाती है. **कार्य एवं स्थान :** मुंबई सेंट्रल (सीएफओ यार्ड) : सम्बद्ध सुविधाओं और कवर शेड (60 मी. तक) के साथ पिट लाइन क्र. 5 और 6 का विस्तार (संयुक्त निविदा). **कार्य की अनुमानित लागत :** रु. 9,34,30,532.59. **ईएमडी :** रु. 6,17,200.00. **जमा करने की तिथि एवं समय :** 19.09.2025 15.00 बजे तक, **खुलने की तिथि एवं समय :** 19.09.2025 को 15.30 बजे. अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** का अवलोकन करें. 0550

Like us on : facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे ने मुंबई सेंट्रल ⇌ इंदौर के बीच विशेष ट्रेन के फेरे बढ़ाए

ट्रेन संख्या	से	तक	सेवा के दिन	तक विस्तारित
09085	मुंबई सेंट्रल	इंदौर	सोमवार, बुधवार और शुक्रवार	12/09/2025
09086	इंदौर	मुंबई सेंट्रल	मंगलवार, गुरुवार और शनिवार	13/09/2025

ठहराव, ठहराव के समय और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जा सकते हैं।

ट्रेन संख्या 09085 और 09086 की विस्तारित यात्राओं की बुकिंग 31/08/2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। उपरोक्त ट्रेन विशेष किराए पर विशेष ट्रेन के रूप में चलेंगी।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
हमें लाईक करें : facebook.com/WesternRly
हमें फॉलो करें : x.com/WesternRly
instagram.com/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के साथ अपना वास्तविक पहचान पत्र भी साथ रखें

अनधिकृत बाइक टैक्सियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी रहेगी : प्रताप सरनाईक

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई , राज्य सरकार ई-बाइक टैक्सी नीति को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है। इसके अनुसार, संबंधित संगठनों को लाइसेंस प्राप्त कर अपनी ई-बाइक टैक्सी सेवाएँ शुरू करनी होंगी। मोटर परिवहन विभाग द्वारा रैपिडो, ओला, उबर जैसी कंपनियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जाएगी, जो बिना लाइसेंस के बाइक टैक्सी सेवाएँ चला रही हैं। मंत्री सरनाईक ने कहा कि नागरिकों से कई शिकायतें मिली हैं कि मुंबई महानगर क्षेत्र में बिना लाइसेंस के बाइक टैक्सी एग्रीगेटर सेवाएँ जारी रखी जा रही हैं। सरकार ने लाइसेंस प्राप्त होने तक ऐसी सेवाओं को बंद करने का आदेश दिया है, और संबंधित एग्रीगेटर कंपनियों ने इस संबंध में एक हलफनामा भी प्रस्तुत किया है। हालाँकि, आदेश प्राप्त होने के बावजूद, यह देखा गया है कि सेवा नियमों का उल्लंघन करते हुए संचालित की जा रही है। इस संबंध में दायर जनहित याचिका पर वर्तमान में उच्च न्यायालय में सुनवाई चल रही है। ई-बाइक टैक्सी एग्रीगेटर नीति निर्धारण की फाइल सरकार के विधि एवं न्याय विभाग द्वारा विचाराधीन है। जल्द ही इस पर निर्णय लिया जाएगा। तब तक, जहाँ संबंधित कंपनियाँ अपनी बाइक सेवाएँ बंद करके सरकार के साथ सहयोग करने का इरादा रखती हैं, वहीं रैपिडो, ओला, उबर जैसी कंपनियाँ सरकार के आदेश के बावजूद अपनी अनधिकृत बाइक टैक्सी सेवाएँ जारी रखे हुए हैं। इसी पृष्ठभूमि में, कल शाम विशेष कार्रवाई की गई। बाइक टैक्सी एग्रीगेटर के 57 वाहनों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की गई और 1.5 लाख रुपये का जुमार्ना वसूला गया। आगे की जाँच और कार्रवाई जारी है, और नियमों का उल्लंघन करने वाले किसी भी वाहन मालिक या एग्रीगेटर कंपनियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, इस संबंध में, मंत्री प्रताप सरनाईक ने मोटर परिवहन विभाग को निर्देश दिया है कि वे सरकार के आदेशों का बार-बार उल्लंघन करने वाली कंपनियों के लाइसेंस स्थायी रूप से रद्द कर दें।

अति खतरनाक इमारतों के निवासियों से बात कर उन्हें तत्काल खाली कराएं : सौरभ राव

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , मनपा आयुक्त सौरभ राव ने निर्देश दिया है कि ठाणे मनपा क्षेत्र की 37 अत्यधिक खतरनाक इमारतों को निवासियों से बातचीत के बाद तुरंत खाली कराया जाए। विरार में इमारत दुर्घटना के मद्देनजर, ठाणे मनपा क्षेत्र की अत्यधिक खतरनाक इमारतों की फिर से समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक में आयुक्त सौरभ राव ने स्पष्ट किया कि अत्यधिक खतरनाक इमारतों के निवासियों से लगातार संवाद करके उन्हें ऐसी इमारतों में रहने के खतरों से अवगत कराया जाए और जल्द से जल्द उन इमारतों को खाली कराया जाए। साथ ही, सहायक आयुक्तों को निर्देश दिया गया है कि वे निवासियों से उन खतरनाक इमारतों के बारे में संवाद करें जिन्हें तुरंत खाली करने और उनकी मरम्मत करने की आवश्यकता है। महानगर आयुक्त सौरभ राव के कार्यालय में आयोजित बैठक में अतिरिक्त आयुक्त प्रशांत रोडे, शहरी नियोजन के सहायक निदेशक संग्राम कानडे, उपायुक्त मनीष जोशी, उपायुक्त शंकर पटोले, उपायुक्त दिनेश तायडे, उपायुक्त सचिन सांगले, उपनगरीय अभियंता सुधीर गायकवाड़, सभी प्रभाग समितियों के सहायक आयुक्त और सभी कार्यकारी अभियंता उपस्थित थे। ठाणे मनपा क्षेत्र में कुल 93 अत्यधिक खतरनाक इमारतें हैं, जिनमें से 56 इमारतों को खाली करा दिया गया है। शेष 37 इमारतों में कुल 191 परिवार रहते हैं। परिमंडल उपायुक्त और सहायक आयुक्त मानसून से पहले से ही निवासियों से संपर्क कर रहे हैं और उनसे इमारतें खाली करने का अनुरोध कर रहे हैं। मनपा इन इमारतों को खाली करके किसी को भी इनका कब्जा नहीं सौंपेगा। निवासियों को इस बात में कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि ये इमारतें निवासियों के कब्जे में ही रहेंगी, आयुक्त राव ने यह भी स्पष्ट किया है। मानसून से पहले अपने-अपने क्षेत्रों की सभी अत्यधिक खतरनाक और जोखिम भरी इमारतों पर आवश्यक सूचना पट्ट लगा दिए गए थे। उन पट्टों को फिर से लगाया जाना चाहिए। साथ ही, खतरनाक इमारतों द्वारा दिए जाने वाले संकेतों की जानकारी हर घर में पर्चे के माध्यम से दी जानी चाहिए। निवासियों का एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया जाना चाहिए और उस पर भी उन्हें यह जानकारी दी जानी चाहिए। आयुक्त राव ने कहा कि निवासियों को यह भी सूचित किया जाना चाहिए कि इमारत में किसी भी प्रकार का मरम्मत कार्य करने के लिए मनपा से अनुमति लेना आवश्यक है। सभी परिमंडल उपायुक्त और सहायक आयुक्त अत्यधिक खतरनाक इमारतों में अभी भी रह रहे निवासियों के लगातार संपर्क में रहें। उनसे इमारतें खाली करने का अनुरोध किया जाना चाहिए और उन्हें इमारत के कब्जे के बारे में आश्वस्त किया जाना चाहिए। राव ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि उन्हें इस बात से अवगत कराया जाना चाहिए कि अत्यधिक खतरनाक इमारतों में रहना जानलेवा हो सकता है। सी1 श्रेणी की अत्यधिक खतरनाक इमारतों को पूरी तरह से खाली कराना आवश्यक है। जबकि, सी2ए और बी श्रेणी की खतरनाक इमारतों की व्यापक मरम्मत की आवश्यकता है। मरम्मत अवधि के दौरान इन खतरनाक इमारतों में किसी को भी नहीं रहना चाहिए। यह जानकारी सभी माध्यमों से अधिक से अधिक नागरिकों तक पहुँचाई जानी चाहिए। आयुक्त राव ने यह भी निर्देश दिया कि संबंधित इमारतों पर ऐसे बोर्ड फिर से लगाए जाएँ।

फास्ट ट्रैक

35 लाख के जेवरात की चोरी

घर के अंदर से गायब सोने-चांदी के आभूषण, मकान मालकिन ने रिश्तेदारों पर जताया संदेह

शाहजहांपुर, शाहजहांपुर के थाना जलालाबाद क्षेत्र के ग्राम याकूबपुर में एक बड़ी चोरी का मामला सामने आया है। मकान मालकिन शकीला बानो के घर से करीब 35 लाख रुपए कीमत के सोने-चांदी के आभूषण चोरी हो गए। शकीला बानो ने बताया कि आज सुबह जब उन्होंने संदूक खोला तो सारे जेवरात गायब थे। उनके अनुसार, 15 दिन पहले उनकी जेठानी की लड़की, जो उनकी छोटी बहू है, मेहमानी पर आई थी और एक हफ्ता रुकी थी। शकीला को आशंका है कि इसी दौरान रात में चाबी का इस्तेमाल कर जेवरात चोरी किए गए। चोरी हुए आभूषणों में शकीला बानो के 330 ग्राम सोने के जेवरात शामिल हैं। इनमें 20 ग्राम के झाले, 20 ग्राम की अंगूठी, 300 ग्राम के गले के आभूषण, 15 ग्राम की महिला अंगूठी, 10 ग्राम की पुरुष अंगूठी, 16 ग्राम का मंगलसूत्र और 15 ग्राम के कान के कुंडल हैं। साथ ही आधा किलो चांदी की पायल और 16 चांदी के सिक्के भी गायब हुए हैं। इसके अलावा, शकील की बुआ के जेवरात भी चोरी हुए हैं। इनमें 20 ग्राम की चेन, 6 ग्राम के कुंडल, 5 ग्राम के झाले, 9 ग्राम की सोने की अंगूठी और 17 चांदी के सिक्के शामिल हैं। छोटी बहू के 40 ग्राम सोने का हार, 10 ग्राम का दूसरा हार, 10 ग्राम की चेन और 3 ग्राम का नाक का फूल भी गायब हुए हैं। पीड़िता ने थाने में शिकायत दर्ज करा दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

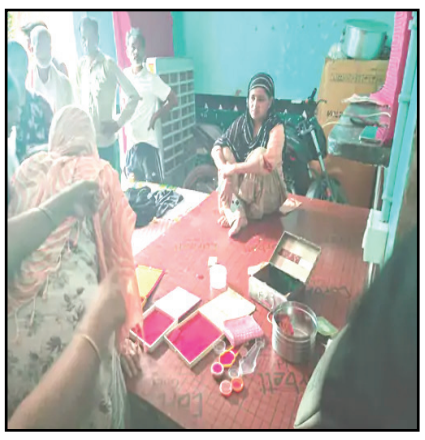

नरवीर तानाजी सर्वजनिक गणेशोत्सव मंडल के दृश्य देखने उमड़े श्रद्धालु

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , विविध दृश्यों और सामाजिक गतिविधियों को क्रियान्वित करने में अग्रणी, पांचपखड़ी के नरवीर तानाजी सर्वजनिक गणेशोत्सव मंडल ने डॉ. जितेंद्र आव्हाड के मार्गदर्शन में महाराष्ट्र में ग्यारह जागृत मारुतिराय के दर्शन कराए हैं। एक प्राचीन मंदिर की प्रतिकृति बनाने और एक ही स्थान पर ग्यारह मारुति के दर्शन कराने के इस दृश्य को देखने के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। 1979 में कुछ युवाओं ने मिलकर एक रचनात्मक उद्देश्य से इस गणेशोत्सव की शुरूआत की। आज यह गणेशोत्सव पूरे राज्य में ठाणे के राजा के रूप में जाना जाता है। एक मराठी व्यक्ति चाहे कितना भी अच्छा पर्यटक क्यों न हो, उसके लिए आर्थिक रूप से और सांसारिक कठिनाइयों के पहाड़ को पार करके देश भर के मंदिरों की यात्रा पूरी करना संभव नहीं है। इस बात से अवगत नरवीर तानाजी सर्वजनिक गणेशोत्सव मंडल ने गणेशोत्सव के दौरान देशभर के अनेक मंदिर शिल्पों का निर्माण कर ठाणेकरों को पांचपखड़ी में ही भारत के मंदिरों के दर्शन कराए हैं। 1979 से अब तक शहीद स्मारक, राजवाड़ा, महाराष्ट्र की सांस्कृतिक दृष्टि, कश्मीर में चरार-ए-शरीफ दरगाह, हिंदू-मुस्लिम एकता का प्रतीक, स्वतंत्रता के बाद का भारत, स्वतंत्रता संग्राम में ठाणे शहर, मराठी मनसा जगा हो, भारतीय संस्कृति का दर्शन, युवा शक्ति, गणेश दरबार, मीनाक्षी मंदिर, गुफा मंदिर, पार्वती महल, राजस्थानी महल, जोधा-अकबर महल, सुवर्ण स्वर्ग, नरवीर तानाजी सर्वजनिक गणेशोत्सव मंडल ने गणेशोत्सव की ज्ञानवर्धक परंपरा को राज्य में ही नहीं, बल्कि देश में भी फैलाया है। इस वर्ष इस मंडल ने राज्य में ग्यारह जागृत मारुति मंदिरों का दृश्य स्थापित किया है। इसी के अनुरूप, 17वीं शताब्दी में स्थापित ग्यारह मारुति की प्रतिकृतियां बनाई गई हैं, अर्थात, शाहपुर, सातारा की चुनायचा मारुति, मसूर, चाफल, सातारा की मसूर मारुति; वीर मारुति, शिंगणवाड़ी, सातारा की खड़ीचा मारुति, उम्ब्रज, सातारा, मजगांवचा मारुति, सांगली की बहेचा मारुति, कोल्हापुर की मनपदाले मारुति, परगांव, कोल्हापुर की बाल मारुति और शिराले, सांगली की वीर मारुति। इसके लिए, चार विशाल स्तंभों पर 15 फुट ऊंचा मंदिर बनाया , जिसमें फाइबर, लकड़ी और प्राकृतिक रंगों का उपयोग करके 61 .20 फीट माप वाली पत्थर की दीवार का आभास दिया। इस मंदिर में 20 . 20 फीट आकार का एक हॉल, 41 .20 फीट आकार का एक सभा भवन और 10 . 20 फीट का प्रवेश द्वार है। आकर्षक विद्युत प्रकाश इस दृश्य की सुंदरता में चार चांद लगा रहा है। इस मंदिर की सजावट मंदार मोहन गोले ने की है। नरवीर तानाजी सर्वजनिक गणेशोत्सव मंडल (ठाणे का राजा) मुख्य सलाहकार एवं मार्गदर्शक डॉ. जितेंद्र आव्हाड के मार्गदर्शन में, सलाहकार मनोज प्रधान की पहल पर, अध्यक्ष संदीप पवार, उपाध्यक्ष संदेश प्रभु, महासचिव रमेश चौधरी, कार्यकारी अध्यक्ष प्रदीप कांबले, कोषाध्यक्ष दीपक भांगराथ और सैकड़ों सदस्य गणेश जी की सेवा में दिन-रात जुटे हुए हैं।

गणेशोत्सव के दौरान निर्माल में फूलों से खाद बनाने की डॉ. नानासाहेब धर्माधिकारी प्रतिष्ठान की पहल

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

नवी मुंबई , मनपा ने नवी मुंबई में पर्यावरण के अनुकूल तरीके से गणेशोत्सव मनाने के लिए डेढ़ महीने से जनजागरूकता अभियान शुरू किया है। मनपा आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे की अपील को नागरिकों की अच्छी भागीदारी मिल रही है। इसमें नागरिकों ने शाडू मिट्टी से बनी मूर्तियाँ स्थापित करके और सजावट में पर्यावरण के अनुकूल सामग्रियों का उपयोग करके पर्यावरण के प्रति जागरूकता दिखाई है। ऐसे नागरिकों का अभिनंदन किया जा रहा है और विसर्जन स्थल पर पर्यावरणविद के रूप में आयुक्त द्वारा हस्ताक्षरित प्रशंसा पत्र दिया जा रहा है। इसके अलावा, एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि सभी 22 प्राकृतिक और 143 कृत्रिम तालाबों पर अलग-अलग निर्मल कलशों की व्यवस्था की गई है ताकि गीले निर्माल जैसे माला और फूल और सूखे निर्माल जैसे कंठी और सजावटी सामग्री की माला को अलग-अलग रखा जा सके और उन्हें तुर्भे स्थित परियोजना स्थल तक ले जाने के लिए अलग-अलग वाहनों की व्यवस्था की गई है। इस गीले निर्माल को खाद में परिवर्तित किया जाएगा। कुछ गैर सरकारी संगठनों ने पहल की है और इस पर्यावरण-अनुकूल पहल में सक्रिय रूप से भाग लिया है। डॉ. नानासाहेब धर्माधिकारी प्रतिष्ठान की ओर से, कोपरखैरणे सेक्टर 19 स्थित धरान तालाब, महापे तालाब और सेक्टर 9 विस्तारित तालाब में गणेश विसर्जन के दौरान निर्मलया एकत्र की जा रही है और उनकी पंखुड़ियों को अलग करके जैविक खाद में परिवर्तित किया जा रहा है। डेढ़ दिन के विसर्जन के दौरान, इन तीनों विसर्जन स्थलों से 534 किलोग्राम फूलों की मालाएँ एकत्र की गईं और पंखुड़ियों को अलग करके उनसे उत्पन्न खाद का उपयोग क्षेत्र में हरियाली बढ़ाने, बप्पा के प्रति आस्था और प्रकृति संरक्षण को जोड़ने के लिए किया जाएगा।

पंखे से करंट लगने से बच्चे की मौत

पुवायां में खेलते समय हादसा, पिता चंडीगढ़ में मजदूरी करते हैं

शाहजहांपुर , पुवायां थाना क्षेत्र के सकरापुर गांव में एक दुखद घटना सामने आई है। खेलते समय पंखे से करंट लगने से 5 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। मृतक की पहचान हासिम खां के बेटे अमान के रूप में हुई है। घटना के समय अमान घर के कमरे में खेल रहा था। वह चलते हुए फरार्टा पंखे के पास पहुंच गया। पंखे को छूते ही वह करंट की चपेट में आ गया। बच्चे की चीख सुनकर उसकी मां मोबीना दौड़कर आईं। तब तक अमान बेहोश हो चुका था। परिजन तुरंत बच्चे को पुवायां के सरकारी अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अमान के पिता हासिम खां परिवार का भरण-पोषण करने के लिए चंडीगढ़ में मजदूरी करते हैं। घटना के समय घर में मां और अन्य छोटे बच्चे ही मौजूद थे। इस हादसे से पूरे गांव में शोक का माहौल है।

उथलसर में जागृत हुई वारली संस्कृति और परंपरा, आदिवासी छात्रों में शिक्षण सामग्री होगी वितरित

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , वारली चित्रकला शैली के माध्यम से ठाणे और पालघर जिलों की पहचान दुनिया भर में फैली हुई है। जीव्या सोमा म्हसे ने वारली कला को विश्व स्तर पर पहचान दिलाई है, लेकिन उथलसर में महाराष्ट्र स्पोर्ट्स क्लब के अध्यक्ष योगेश भंडारी की पहल पर आदिवासियों की वारली कला, उनके घरों और घरेलू सामग्रियों को मूल ठाणेकरों से परिचित कराने के लिए वारली संस्कृति और कला को जागृत करने वाला एक दृश्य निर्मित किया गया है। महाराष्ट्र स्पोर्ट्स क्लब द्वारा पिछले 53 वर्षों से सार्वजनिक गणेशोत्सव मनाया जा रहा है। जनार्दन वैती ने इस गणेशोत्सव की स्थापना की थी। योगेश भंडारी के नेतृत्व में गणेशोत्सव मंडल के पदाधिकारी सार्वजनिक गणेशोत्सव के साथ-साथ सामाजिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक मोर्चों पर भी काम कर रहे हैं। इस मंडल द्वारा हर साल विभिन्न दृश्य निर्मित किए जाते हैं। इस वर्ष, इस बोर्ड ने वारली चित्रकला को बढ़ावा देने और उसका प्रसार करने के उद्देश्य से एक आदिवासी झोपड़ी का दृश्य बनाया है। इस झोपड़ी की दीवारों पर प्राकृतिक रंगों से चित्रित चित्र, पेड़ और वन्य जीवन ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। विशेष रूप से, आदिवासी घरों में प्रकाश के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला दीपक रात के उजाले में अधिक आकर्षक लग रहा है। इस दृश्य को देखने के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। इस बीच, यह बोर्ड पूरे वर्ष आदिवासी गांवों में शैक्षिक गतिविधियों को लागू करने के लिए एक अभियान चला रहा है। इसके एक भाग के रूप में, श्री गणेश के दर्शन के लिए आने वाले भक्तों से फल, फूल और नारियल लाने के बजाय एक नोटबुक और एक कलम लाने की अपील की गई है। बोर्ड के अध्यक्ष योगेश भंडारी ने बताया कि एकत्रित शैक्षिक सामग्रियों को आदिवासी गांवों के स्कूलों में वितरित किया जाएगा।

आनंद नगर एमआईडीसी में दुर्लभ दोमुंहा सांपों का एक जोड़ा मिला

सर्प मित्र आकाश प्रकाश गोहिल ने इस सुरक्षित रूप से पकड़कर जंगल में छोड़ दिया।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ. अंबरनाथ के आनंदनगर एमआईडीसी परिसर स्थित एक निजी कंपनी में दुर्लभ प्रजाति के दोमुंहा सांपों का जोड़ा मिलने से कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। कंपनी के अधिकारियों ने तत्काल सर्प प्रेमी आकाश प्रकाश गोहिल से संपर्क किया तो उन्होंने मौके पर पहुंचकर प्लाईवुड के पीछे छुपे इस गैर विषैली प्रजाति के सांपों के जोड़ों को सुरक्षित रूप से पकड़कर उन्हें उनके प्राकृतिक आवास में छोड़ दिया गया। इस जोड़े में पाँच फुट लंबा एक नर सांप और चार फुट लंबी एक मादा सांप मिली। गैर विषैली प्रजाति के इस सांप को इंडियन सैंड बोआ या स्मगल स्नेक नाम से भी जाना जाता है। विदेशों में इस सांप की विशेष मांग है और इसकी कीमत लाखों में होने के कारण इसकी तस्करी बड़े पैमाने पर होती है। दवाओं, तांत्रिक क्रियाओं, सौंदर्य प्रसाधनों, मदार्ना ताकत आदि में इसका प्रयोग किया जाता है। महाराष्ट्र इसकी तस्करी में नंबर वन माना जाता है। विशेष बात यह है कि इसे दोमुंहा सांप कहा जरूर जाता है लेकिन इसके एक ही मुंह होता है और पूंछ मुंह जैसी लगने के कारण इसे दोमुंहा सांप कहा जाता है।

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अंबरनाथ शहर अध्यक्ष बने शैलेश शिर्के

मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने दिया नियुक्ति पत्र।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ. महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे ने ठाणे शहर में आयोजित पदाधिकारी सम्मेलन में अंबरनाथ शहर अध्यक्ष पद पर पार्टी के वरिष्ठ और अनुभवी नेता ठाणे जिले के उपाध्यक्ष शैलेश शिर्के को अंबरनाथ शहर का अध्यक्ष नियुक्त किया है। विगत दिनों मनसे के शहर अध्यक्ष कुणाल भोईर और अन्य तीन पूर्व नगरसेवकों ने पार्टी का साथ छोड़कर शिवसेना शिंदे गट में प्रवेश कर लिया था तभी से कयास लगाए जा रहे थे कि मनसे का शहर अध्यक्ष किसको नियुक्त किया जाएगा। शैलेश शिर्के के अध्यक्ष बनने से आगामी नगरपालिका चुनाव में पार्टी का प्रदर्शन कैसा रहता है ये देखने वाली बात होगी। मनसे के ठाणे जिला अध्यक्ष अविनाश जाधव ने इस अवसर पर कहा कि जिन अवसरवादी नेताओं ने पार्टी का साथ छोड़ा है हम उन्हें आगामी चुनावों में घर बैठाने का कार्य करेंगे। शैलेश शिर्के एक जुझारू और जमीनी स्तर के नेता माने जाते है। पार्टी के एजेंडे और विचारधारा को आगे ले जाने वाले नेता के रूप में वे अपनी पहचान रखते हैं। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा भाऊ साहब परांजपे स्कूल और उच्च शिक्षा मुंबई विश्वविद्यालय से ग्रहण की है।

पूजा के लिए जल लेने गई बच्ची की डूबकर मौत

बड़ी बहन को लोगों ने बचाया, छोटी बहन का शव 24 घंटे बाद मिला

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, थाना सेहरामऊ दक्षिणी क्षेत्र में एक दर्दनाक घटना सामने आई। चांदापुर निवासी रामप्रसाद की दो बेटियां पूजा के लिए नदी से जल लेने गई थीं। इस दौरान दोनों बहनें नदी में डूबने लगीं। दस वर्षीय क्रांति और सात वर्षीय विश्रांति अन्य बच्चों के साथ नदी किनारे पहुंची थीं। अचानक पैर फिसलने से दोनों बहनें नदी में गिर गईं। मंदिर के पास मौजूद लोगों ने बच्चियों की चीख-पुकार सुनी। उन्होंने तुरंत बड़ी बहन क्रांति को बचा लिया। लेकिन विश्रांति गहरे पानी में चली गई। ग्रामीणों ने तत्काल परिवार और पुलिस को सूचना दी। पूरे दिन गोताखोर टीम ने बच्ची की तलाश की। रात होने पर रेस्क्यू अभियान रोक दिया गया। शनिवार को मंदिर के पास बैठे ग्रामीणों को विश्रांति का शव उसी स्थान पर दिखाई दिया, जहां वह डूबी थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पिता ने बताया कि बड़ी बेटी क्रांति की हालत गंभीर है। उसका घर पर इलाज चल रहा है। अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की है।

जाति आधारित हिंसा का मामला

जलालाबाद में दलित परिवार से मारपीट, एक महीने से नहीं दर्ज हुई एफआईआर

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

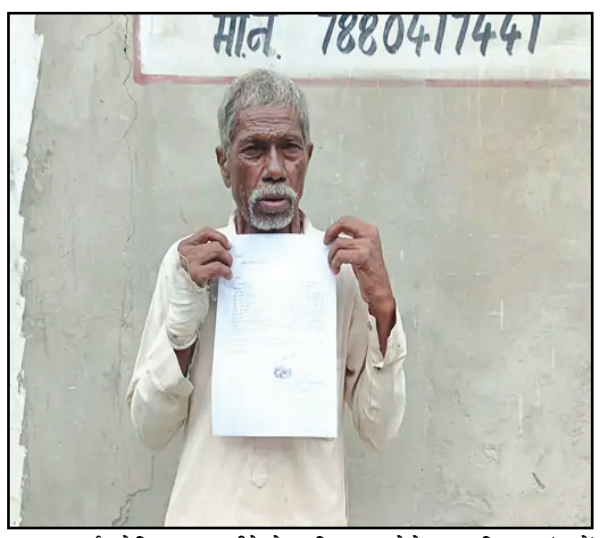

शाहजहांपुर, मिर्जापुर थाना क्षेत्र के गांव संगहा में एक दलित परिवार के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित रामभरोसे के अनुसार, गांव के पपलेश और आरेन्द्र (नरेन्द्र यादव के पुत्र) ने उनके नाती के साथ मारपीट की।

जब रामभरोसे की पत्नी सोमवती अपने नाती को बचाने गईं, तो आरोपियों ने उन्हें भी लात-घूसों से मारा। इस दौरान आरोपियों ने पूरे परिवार को जातिसूचक गालियां दीं और जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित परिवार ने 27 जून को थाना मिर्जापुर में शिकायत दर्ज कराई।

इसके बाद 11 जुलाई को क्षेत्राधिकारी जलालाबाद, 13 जुलाई को समाधान दिवस और 25 जुलाई को पुलिस अधीक्षक शाहजहांपुर से भी गुहार लगाई। लेकिन एक महीने से अधिक समय बीत जाने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। पीड़ित का आरोप है कि उनकी शिकायत का फर्जी निस्तारण कर दिया गया है। गौरतलब है कि रामभरोसे का परिवार गांव में अकेला धानुक (दलित) परिवार है। पीड़ित ने न्याय की गुहार लगाते हुए दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

महिला की हत्या का आरोप, शरीर पर चोट के निशान

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, महिला की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है। मृतका प्रिया की शादी 2019 में अनूप से हुई थी। मायके पक्ष का आरोप है कि ससुराल वालों ने उसे जहर देकर फांसी के फंदे पर लटका दिया। प्रिया के पिता विनय सिंह ने बताया कि घटना से कुछ घंटे पहले बेटी ने फोन पर सास द्वारा प्रताड़ित किए जाने की बात कही थी। ससुराल पक्ष ने सूचना दी कि प्रिया (28) ने जहर खाकर फांसी लगा ली है और उसे अस्पताल ले जा रहे हैं। बाद में पता चला कि उसकी मौत हो चुकी है। मृतका के शरीर पर चोट के निशान मिले हैं। पति पर दहेज में रुपये की मांग का आरोप है। चार साल पहले प्रिया ने पहली बेटी को जन्म दिया था। उस समय ससुराल वाले उसे सरकारी अस्पताल में छोड़कर भाग गए थे। मायके वालों को प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। 50 हजार रुपए लिए थे चार महीने पहले दूसरी बेटी के जन्म के बाद प्रताड़ना और बढ़ गई। कुछ समय पहले पति ने मृतका के चाचा से 50 हजार रुपये भी लिए थे। पिता ने कहा कि प्रिया भाजपा विधायक अरविंद सिंह की रिश्ते में चचेरी बहन थी। दो साल पहले तत्कालीन विधायक स्वर्गीय मानवेंद्र सिंह ने दो बार समझौता कराया था। लेकिन उसके बाद भी पति और ससुराल पक्ष ने उसको प्रताड़ित करना बंद नही किया था। पुलिस से कार्रवाई की मांग प्रिया डेढ़ महीना मायके में रुककर दस दिन पहले ही ससुराल गई थी। पिता ने आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। थाना प्रभारी ने बताया कि एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। मायके पक्ष ने पोस्टमार्टम कराने की मांग की है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भारत संवाद परिवार

1-संरक्षक-भारत संवाद
डॉ राम किशोर शर्मा
पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित,
2-संरक्षक-भारत संवाद
आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय
भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ
3-संरक्षक-भारत संवाद
गजानन महतपुरकर
(सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त)
4-कला एवं मनोरंजन संपादक
(भारत संवाद)
जगन्नाथ तिवारी
5-उपसंपादक (भारत संवाद)
माता प्रसाद शर्मा
6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण
(भारत संवाद)
आशीष कुमार शर्मा

अमेरिकी कोर्ट ने ट्रम्प के ज्यादातर टैरिफ को गैर-कानूनी बताया

फिलहाल रोक नहीं; ट्रम्प बोले- टैरिफ हटे तो अमेरिका बर्बाद हो जाएगा

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिका की एक अपील कोर्ट ने ट्रम्प के ज्यादातर टैरिफ को गैरकानूनी बताया है। कोर्ट का कहना है कि ट्रम्प ने इन टैरिफ को लागू करने के लिए जिस कानून का सहारा लिया, वह उन्हें यह अधिकार नहीं देता। कोर्ट ने कहा कि ट्रम्प के पास हर आयात पर टैरिफ लगाने की असीमित शक्ति नहीं है। हालांकि, कोर्ट ने इस फैसले को अक्टूबर तक लागू करने से रोक दिया है, ताकि ट्रम्प सुप्रीम कोर्ट में अपील कर सकें। ट्रम्प ने इस फैसले की कड़ी आलोचना करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा कि अगर ये टैरिफ हटे, तो अमेरिका बर्बाद हो जाएगा। ट्रम्प ने चीन, कनाडा, मेक्सिको जैसे देशों पर व्यापार घाटे और अन्य कारणों से टैरिफ लगाए थे। उन्होंने तर्क दिया था कि अमेरिका का व्यापार घाटा ही राष्ट्रीय आपातकाल है। ट्रम्प ने इन कानूनों को अंतर्राष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्ति अधिनियम (आईईईपीए) के तहत सही ठहराया था। उनका कहना था कि

व्यापार असंतुलन अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है और इसलिए उन्होंने व्यापार पर नेशनल इमरजेंसी घोषित कर टैरिफ लगाए। अब कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया और कहा कि शुल्क लगाना राष्ट्रपति के अधिकार में नहीं आता, यह शक्ति केवल संसद के पास है। 7-4 के बहुमत से दिए गए इस फैसले में अदालत ने साफ लिखा कि 1977 में जब कांग्रेस ने आईईईईपीए कानून बनाया था, तब उसका मकसद राष्ट्रपति को बिना सीमा के शुल्क लगाने की ताकत देना नहीं था। यह फैसला छोटे व्यवसायों और अमेरिकी राज्यों के गठबंधन द्वारा दायर मुकदमों पर आया है। कोर्ट ने कहा कि ट्रम्प 150 दिनों तक 15% टैरिफ लगा सकते हैं, लेकिन इसके लिए ठोस कारण चाहिए। फैसले में कहा गया कि आईईईईपीए में टैरिफ शब्द का कहीं जिक्र नहीं है और न ही इसमें राष्ट्रपति के अधिकारों पर कोई स्पष्ट सीमा तय की गई है। कोर्ट ने यह भी कहा कि जब संसद चाहती है कि राष्ट्रपति को शुल्क लगाने का अधिकार दिया जाए, तो वह इसे कानून में साफ-साफ लिखती है। ट्रम्प प्रशासन ने भारत पर 50% टैरिफ लगाया है, जो 27 अगस्त से लागू हो गया है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) की रिपोर्ट के मुताबिक, यह नया टैरिफ भारत के लगभग ?5.4 लाख करोड़ के एक्सपोर्ट को प्रभावित कर सकता है। 50% टैरिफ से अमेरिका में बिकने वाले कपड़े, जेम्स-ज्वेलरी, फर्नीचर, सी फूड जैसे भारतीय प्रोडक्ट्स महंगे हो जाएंगे।

इससे इनकी मांग में 70% की कमी आ सकती है। चीन, वियतनाम और मेक्सिको जैसे कम टैरिफ वाले देश इन सामानों को सस्ते दाम पर बेचेंगे। इससे भारतीय कंपनियों की अमेरिकी बाजार में हिस्सेदारी कम होगी। ट्रम्प ने 6 अगस्त को रूस से तेल खरीद पर जुमार्ने के तौर पर इस टैरिफ का ऐलान किया था। वहीं, व्यापार घाटे का हवाला देकर 7 अगस्त से भारत पर 25% टैरिफ लगा दिया था। भारत, चीन के बाद रूसी तेल का सबसे बड़ा खरीदार है। यूक्रेन युद्ध से पहले भारत रूस से सिर्फ 0.2% (68 हजार बैरल प्रतिदिन) तेल इम्पोर्ट करता था। मई 2023 तक यह बढ़कर 45% (20 लाख बैरल प्रतिदिन) हो गया, जबकि 2025 में जनवरी से जुलाई तक भारत हर दिन रूस से 17.8 लाख बैरल तेल खरीद रहा है। पिछले दो साल से भारत हर साल 130 अरब डॉलर (11.33 लाख करोड़ रुपए) से ज्यादा का रूसी तेल खरीद रहा है।

प्रधानमंत्री, रक्षामंत्री समेत पूरी कैबिनेट को ही निपटा दिया

मोसाद ने कहां चलाया अब तक का सबसे बड़ा ऑपरेशन

एजेंसी

जब दुनिया के कई देश ट्रंप के टैरफ वॉर से निपटने की तैयारी में लगे थे। उस वक्त इजरायल ने दुनिया की सबसे बड़ी स्ट्राइक कर दुनिया को चौंका दिया। ईरान के प्रॉक्सी और समुदर में बड़ी बड़ी महाशक्तियों पर भारी पड़ने वाली हूति विद्रोहियों की पूरी लीडरशिप को इजरायल की वायुसेना और खुफिया एजेंसी मोसाद ने एक साथ खत्म कर दिया। इजरायल ने एक बार फिर से दुनिया को दिखाया कि उससे दुश्मनी करने वाला दुनिया के किसी भी कोने में छिपा हो। खुद को कितना भी ताकतवर और सुरक्षित समझता हो इजरायल उसे तलाश करके खत्म करके ही दम लेता है। मोसाद के इस ऑपरेशन को इजरायल की खुफिया एजेंसी का अब तक का सबसे बड़ा ऑपरेशन कहा जा रहा है। इजरायल ने इस ऑपरेश को ए ड्रॉप ऑफ लक नाम दिया। जिसने दुनिया के लिए सिरदर्द बने हूती के प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री और चीफ ऑफ स्टॉफ यानी सेना प्रमुख को एक साथ मार दिया। इस हमले में हूती के 10 से ज्यादा मंत्री भी मारे गए। यमन की राजधानी सना में इजराइल ने 28 अगस्त को हूती विद्रोहियों पर बड़ा हवाई हमला किया। इस हमले में हूती पीएम अहमद अल-रहावी की मौत हो

> इजरायल ने एक बार फिर से दुनिया को दिखाया कि उससे दुश्मनी करने वाला दुनिया के किसी भी कोने में छिपा हो। खुद को कितना भी ताकतवर और सुरक्षित समझता हो इजरायल उसे तलाश करके खत्म करके ही दम लेता है। मोसाद के इस ऑपरेशन को इजरायल की खुफिया एजेंसी का अब तक का सबसे बड़ा ऑपरेशन कहा जा रहा है।

गई। इजराइली अखबार टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट्स के मुताबिक, हूती रक्षा मंत्री मोहम्मद नासिर अल-अतीफी और चीफ ऑफ स्टाफ मुहम्मद अब्द अल-करीम अल-घमारी भी मारे गए होने की आशंका है। यमन के अल जुम्हरिया चैनल के अनुसार, पीएम अल-रहावी और उनके सहयोगियों को एक अपार्टमेंट में थे तब इजराइल ने हमला किया था। बताया जा रहा है कि ये नेता हूती प्रमुख अब्दुल मलिक अल-हूती का भाषण देख रहे थे। उधर, इजराइली आर्मी ने पुष्टि की कि सना में सैन्य ठिकानों और राष्ट्रपति भवन को निशाना बनाया गया। इजराइली रक्षा मंत्री इसराइल काट्ज ने चेतावनी दी कि जो भी इसराइल के खिलाफ हथियार उठाएगा, उसका अंजाम बुरा होगा। हालांकि, यमनी अधिकारियों ने बताया कि इस हमले में 10 लोग मारे गए और 90 घायल हुए। हालांकि, अभी तक इजराइली सेना ने हूती नेतृत्व की मौत की आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई है।

सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा 'ट्रम्प इज डेड'

दाहिने हाथ पर चोट का निशान वायरल; उपराष्ट्रपति वेंस ने कहा था- लीडरशिप के लिए तैयार हूं

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सेहत से जुड़े पोस्ट ट्रेंड कर रहे हैं। इन पोस्ट में 'ट्रम्प इज डेड' (ट्रम्प की मौत हो गई) लिखा है। शनिवार को ट्रम्प की मौत से जुड़े 60 हजार से ज्यादा पोस्ट शेयर किए गए हैं। जुलाई में 79 साल के ट्रम्प के हाथ पर चोट के निशान और पैरों में सूजन की तस्वीरें सामने आने के बाद से ही उनकी सेहत चर्चा में है। व्हाइट हाउस ने उस समय इन अफवाहों को खारिज किया था। अब 27 अगस्त को उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के इंटरव्यू के बाद ट्रम्प के सेहत पर फिर बहस तेज हो गई। दरअसल, वेंस ने यूएसए टुडे को कहा था कि, किसी भी बुरी परिस्थिति में वो देश का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं। हालांकि, उन्होंने ये भी कहा कि अभी ट्रम्प पूरी तरह ठीक हैं। फिलहाल, व्हाइट हाउस ने इस अफवाह पर कोई टिप्पणी नहीं की है। फरवरी,2025 में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और जुलाई में यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उसुर्ला वॉन डेर लेयेन के साथ मुलाकात के दौरान सबसे पहले ट्रम्प के हाथ पर चोट और मेकअप के निशान देखे गए थे। इसके बाद ट्रम्प की सेहत से जुड़ी अटकलें तेज हो गई थी। इस समय व्हाइट हाउस ने बताया था कि ट्रम्प की नसों की बीमारी क्रॉनिक वेनस इनसफिशिएंसी अइ9 से ग्रसित हैं। इसके कारण उनके पैरों में सूजन रहती है। व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने प्रेस

कॉन्फ्रेंस में बताया कि 70 साल से ज्यादा उम्र को लोगों में यह बीमारी कॉमन है। लेविट ने बताया कि राष्ट्रपति की हथेलियों पर चोट के निशान हैं, जो मामूली सॉफ्ट टिशू इरिटेशन है। यह एस्पिरिन के सेवन के साइन इफेक्ट और बार-बार लोगों से हाथ मिलाने के कारण होता है। 13 जुलाई 2025 को न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में फीफा क्लब वर्ल्ड कप के फाइनल के दौरान ट्रम्प के पैरों में सूजन देखी गई थी। फिर, 16 जुलाई को बहरीन के प्रधानमंत्री सलमान बिन हमद अल खलीफा से मुलाकात के दौरान ट्रम्प के हाथों में चोट के निशान वाली तस्वीरें सामने आई थीं। इसके बाद सोशल मीडिया पर बहस होने लगीं कि ट्रम्प अपनी स्वास्थ्य समस्या छिपा रहे हैं। व्हाइट हाउस ने बताया कि ट्रम्प ने अपने पैरों के निचले हिस्से में हल्की सूजन देखी थी। इसके बाद उन्होंने जांच करवाई और सबको रिपोर्ट की जानकारी बताने का निर्देश दिया। व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी लेविट ने बताया था कि राष्ट्रपति के निचले अंगों के दोनों तरफ वेनस डॉपलर अल्ट्रासाउंड किए गए, जिससे पता चला कि उन्हें क्रोनिक वेनस इनसफिशिएंसी एबी9 है। जांच में अन्य गंभीर हृदय रोग या किडनी की बीमारी का पता नहीं चला था। लेविट ने कहा, 'जांच रिपोर्ट में डीप वेन थ्रोम्बोसिस या धमनी रोग का भी कोई सबूत नहीं मिला। ट्रम्प का कम्प्लीट ब्लड काउंट, मेटाबोलिक पैनल, डी-डाइमर, बीटी टाइप के नैट्रियोटिक पेप्टाइड और कार्डिएक बायोमार्कर जांच भी हुआ। सभी रिपोर्ट्स नॉर्मल आए। 25 अगस्त को साउथ कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग के साथ मुलाकात के दौरान ट्रम्प के दाहिने हाथ पर चोट के निशान दिखा था, जिसे मेकअप से छुपाने की कोशिश की गई थी। जुलाई में व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा था, 'राष्ट्रपति ट्रम्प जनता के बीच सबसे ज्यादा समय बिताते हैं और रोजाना सैकड़ों लोगों से हाथ मिलाते हैं। इसके कारण ये निशान बने हैं।'

इंडोनेशिया के क्षेत्रीय संसद भवन में भीड़ ने आग लगाई, तीन लोगों की मौत

एजेंसी

इंडोनेशिया की एक प्रांतीय राजधानी में गुस्साई भीड़ ने स्थानीय संसद भवन में आग लगा दी, जिसमें कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य झुलस गए। दक्षिण सुलावेसी प्रांत की राजधानी मकास्सर में शुक्रवार देर रात आग लगा दी गई। टेलीविजन पर खबरों में दिखाया गया कि प्रांतीय परिषद की इमारत रात भर जलती रही। स्थानीय आपदा अधिकारी फदली ताहर ने बताया कि बचावकर्मियों ने शनिवार सुबह तक तीन शव बरामद किए, जबकि इमारत से कूदने के बाद

पांच लोगों को जलने या हड्डियां टूटने के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया। पश्चिमी जावा के बांडुंग शहर में प्रदर्शनकारियों ने शुक्रवार को एक क्षेत्रीय संसद को भी आग के हवाले कर दिया, लेकिन किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। इंडोनेशिया के दूसरे सबसे बड़े शहर सुरबाया में प्रदर्शनकारियों ने बाड़बंदी को नष्ट करने और वाहनों में आग लगाने के बाद क्षेत्रीय पुलिस मुख्यालय पर धावा बोल दिया। इंडोनेशिया की राजधानी में शनिवार को काफी हद तक शांति लौट आई, क्योंकि अधिकारियों ने जली हुई कारों और प्रदर्शनकारियों के गुस्से की चपेट में आए पुलिस कार्यालयों और बस स्थलों से मलबे को हटा दिया। जकार्ता में सोमवार को पांच दिन का विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ। यह प्रदर्शन उन खबरों के बाद शुरू हुआ जिनमें कहा गया कि सभी 580

> इंडोनेशिया की राजधानी में शनिवार को काफी हद तक शांति लौट आई, क्योंकि अधिकारियों ने जली हुई कारों और प्रदर्शनकारियों के गुस्से की चपेट में आए पुलिस कार्यालयों और बस स्थलों से मलबे को हटा दिया।

सांसदों को उनके वेतन के अलावा पांच करोड़ रुपिया (3,075 अमेरिकी डॉलर) का मासिक आवास भत्ता मिलता है। पिछले साल शुरू किया गया यह भत्ता जकार्ता के न्यूनतम वेतन से लगभग 10 गुना ज्यादा है।

उमा भारती का दो टूक, पीओकेकी वापसी से ही भारत का मकसद पूरा

एजेंसी

भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री उमा भारती ने कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर को वापस लेना देश में हर किसी के मन में है और जब यह हो जाएगा, तो हमारा उद्देश्य पूरा हो जाएगा। एएनआई को दिए एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद को प्रायोजित करने से उसका पतन होगा। ऑपरेशन सिंदूर और कुछ लोगों द्वारा सवाल उठाए जाने के बारे में पूछे जाने पर, उमा भारती ने कहा कि वह ऐसी टिप्पणियों का जवाब नहीं देना चाहतीं। उन्होंने कहा कि जो लोग सवाल उठाते हैं, वे देश को बदनाम करते हैं, राष्ट्रीय गौरव की समझ नहीं रखते और राजनीति में रहने के लायक नहीं हैं। उमा भारती ने कहा कि हमारा अंतिम लक्ष्य पीओके को पुनः प्राप्त करना है। पीओके वापस लेते ही हमारा उद्देश्य पूरा हो जाएगा... मैं उन लोगों को जवाब नहीं देना चाहता जो भारतीय सशस्त्र बलों की वीरता पर सवाल उठा रहे हैं... वे भारतीय सशस्त्र बलों का सम्मान करना नहीं जानते, और वे राजनीति करने के भी काबिल नहीं हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हमारा उद्देश्य पीओके को वापस लेना है, और यह सबके मन में है। जब हम पीओके को वापस ले लेंगे, तो हमारा उद्देश्य पूरा हो जाएगा। पीओके राष्ट्र का अभिन्न

> पूर्व केंद्रीय मंत्री उमा भारती ने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को वापस लेना भारत का अंतिम और सर्वसम्मत लक्ष्य है, जिसके पूरा होते ही राष्ट्र का मकसद सिद्ध होगा। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल उठाने वालों को राष्ट्रीय गौरव का अनादर करने वाला बताते हुए कहा कि ऐसे लोग राजनीति के योग्य नहीं हैं। भारती ने भारत का अभिन्न अंग बताया और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद से उसके पतन की बात कही।

अंग होना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत लगातार पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद से लड़ता रहा है और उसे जड़ से उखाड़ फेंकेगा। उन्होंने आगे कहा कि और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के इस पूरे मुद्दे का समाधान प्राकृतिक न्याय है। जब पाकिस्तान आतंकवाद के कारण तबाह हो जाएगा, तब उसे अपनी अक्ल ठिकाने आएगी। उमा भारती ने 1994 में संसद द्वारा पारित उस सर्वसम्मत प्रस्ताव का भी ज़िक्र किया, जिसमें घोषणा की गई थी कि पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले, जिसमें 26 लोग मारे गए थे, के सैन्य जवाब में 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ढाँचों को निशाना बनाया और 100 से ज्यादा आतंकवादियों का सफाया कर दिया।

जम्मू-कश्मीर के रियासी में लैंडस्लाइड, 7 शव बरामद

पंजाब के 250 गांवों में बाढ़, 8 मौतें; गुजरात- हिम्मतनगर में 15 कारें डूबीं

> गुजरात के हिम्मत नगर में तेज बारिश के चलते 15 से ज्यादा कारें पानी में डूब गईं। उधर जम्मू-कश्मीर के कटरा में बारिश के कारण वैष्णो देवी यात्रा 5 दिन से रुकी है। 26 अगस्त को यात्रा रूट पर लैंडस्लाइड में 34 लोगों की मौत हुई थी। महाराष्ट्र के लातूर और नांदेड़ में 50 सड़कें-पुल डूब गए हैं।

एजेंसी

दिल्ली , जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले के बदर गांव में शनिवार सुबह लैंडस्लाइड हुई। मलबे से अब तक 7 शव बरामद किए गए हैं। यहां और भी लोगों के फंसे होने की आशंका है। वहीं, रामबन के राजगढ़ में बादल फटने से 4 लोगों की मौत हो गई। एक व्यक्ति लापता है। उसकी तलाश जारी है। हिमाचल प्रदेश में मंडी के गोहर में

शुक्रवार देर रात बादल फटा था। नांडी पंचायत में नसेंणी नाला में कई गाड़ियां बह गईं। शिमला के जतोग कैंट में लैंडस्लाइड हुई। सेना की रेसीडेंशियल बिल्डिंगों को खाली कराया गया। पंजाब के अमृतसर, पठानकोट समेत 8 जिलों में बाढ़ के हालात बने हैं। 250 से ज्यादा गांवों में 5 से 15 फीट तक पानी भरा हुआ है। बाढ़ में अब तक 8 लोगों की मौत हो गई है। 3 लोग लापता हैं।

फिरोजपुर से अब तक 3000 लोगों का रेस्क्यू

पंजाब के फिरोजपुर सतलुज नदी में उफान के कारण पंजाब का बड़ा इलाका बाढ़ की चपेट में है। फिरोजपुर जिले के करीब 100 गांव प्रभावित हैं। जिला प्रशासन, सेना, पुलिस लगातार रेस्क्यू में जुटे हैं।

प्रभावित इलाकों में गजनीवाला, कालूवाला, टेड़ीवाला, निहाला लवेरा, बग्गेवाला शामिल हैं। मलेरिया-डेंगू रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीमें गनेशावाला, निहाला किल्चा, डोना मट्टर में दवा छिड़काव कर रही हैं।

कुरुक्षेत्र के कठवा में बाढ़ जैसे हालात

कुरुक्षेत्र में मारकंडा नदी खतरे के निशान पर है। इसका पानी कठवा गांव में घुस चुका है। यहां बाढ़ जैसे हालात हैं। सड़क और खेत पानी में डूबे हैं। सड़कों पर घुटनों तक पानी है।

पटना में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाः सीएम ने मॉडल अस्पताल का निरीक्षण कर दिए त्वरित निर्माण के निर्देश

> मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना सिटी के गुरू गोविंद सिंह सदर अस्पताल परिसर में निमार्णाधीन मॉडल अस्पताल का निरीक्षण किया। उन्होंने 100 बेड वाले इस पाँच मंजिला अस्पताल को जल्द पूर्ण कर आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराने का निर्देश दिया, जिससे क्षेत्र के लोगों को बेहतर उपचार मिल सके।

एजेंसी

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज पटना सिटी के गुरू गोविंद सिंह सदर अस्पताल परिसर में निमार्णाधीन मॉडल अस्पताल भवन का निरीक्षण किया और निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूर्ण करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने निमार्णाधीन मॉडल अस्पताल के निर्माण कार्यों के बारे में विस्तृत जानकारी ली। इस दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि यह 100 बेड का पांच मंजिला मॉडल अस्पताल होगा, जिसमें मरीजों के इलाज की आधुनिक सुविधायें होंगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुये कहा कि इस मॉडल अस्पताल के भवन का निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूर्ण कर इसे फंक्शनल करें। इस मॉडल अस्पताल भवन के छत पर सोलर प्लेट भी लगवायें।

घुसपैठियों के खिलाफ सीएम हिमंत बिस्वा का ताबड़तोड़ एक्शन जारी

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने साफ कर दिया कि, असम में घुसपैठियों के खिलाफ अभियान जारी है और जारी रहेगा.

एजेंसी

गुवाहाटीः असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शनिवार को कहा कि असम पुलिस ने 33 घुसपैठियों को बांग्लादेश वापस भेज दिया है. शर्मा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर इसकी पुष्टि की. उन्होंने एक्स पर लिखा, '33 नए घुसपैठियों को उनके मूल स्थान बांग्लादेश वापस भेज दिया गया है. मुख्यमंत्री ने कहा कि, सावधान रहें, हमारे कड़े प्रयास जारी हैं और ये आने वाले दिनों में और तेज होंगे. हिमंत बिस्वा ने कहा कि, असम में अप्रवासियों के खिलाफ अभियान जारी है और जारी रहेगा. उन्होंने कहा कि, कल लगभग 26 अप्रवासियों को बांग्लादेश भेज दिया गया. उन्होंने हालांकि यह नहीं बताया कि घुसपैठियों को किस इलाके से वापस भेजा गया है लेकिन अधिकतर घुसपैठियों को श्रीभूमि जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा के रास्ते वापस भेजा जा रहा है. मुख्यमंत्री ने इस सप्ताह की शुरूआत में कहा था कि पुलिस हर हफ्ते 70 से 100 घुसपैठियों को बांग्लादेश वापस भेज रही है. हाल के महीनों में 450 से अधिक कथित अवैध घुसपैठियों को वापस भेजा गया है. सरमा ने कहा है कि राज्य सरकार घुसपैठ-मुक्त असम के लिए प्रतिबद्ध है. बांग्लादेश में पिछले साल अशांति शुरू होने के बाद से सीमा सुरक्षा बल ने पूर्वोत्तर में 1,885 किलोमीटर लंबी भारत-बांग्लादेश सीमा पर चौकसी बढ़ा दी है. मुख्यमंत्री शनिवार को दिसपुर के लोक सेवा भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि, सीमा पर लगातार धक्का-मुक्की हो रही है. उन्होंने आगे कहा कि, अप्रवासियों का प्रत्यावर्तन (वापस भेजने की प्रक्रिया) दो तरह से हो रहा है. एक है सीमा में प्रवेश करते ही उन्हें उनके देश वापस भेज दिया जाता है. दूसरा है 1971 के बाद आए लोगों की पहचान करना और उन्हें वापस भेजना. अमित शाह का असम दौरा मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के असम दौरे और एनडीए के विशाल पंचायत प्रतिनिधि सम्मेलन पर प्रतिक्रिया व्यक्त की.

पश्चिम रेलवे

विविध कार्य

मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए), पश्चिम रेलवे, 6ठी मंजिल, अभियांत्रिकी विभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई – 400 008 द्वारा ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं.

अ. क्र.	निविदा सूचना क्र. एवं दिनांक	कार्य एवं स्थान	कार्य की अनुमानित लागत	ईएमडी
1	बीसीटी/25-26/201, दि. 28.08.2025	(i) विरार – जोरावासन अनु. वलसाड में पी.वे डिपो का ऑगमेंटेशन तथा अन्य सम्बद्ध कार्य. (ii) विरार – जोरावासन अनुभाग. वरि. डीईएन/उत्तर के क्षेत्राधिकार में विभिन्न मौजूदा ट्रैक मशीन साइडिंग की सम्बद्ध सुविधाओं का सुधार. संयुक्त निविदा (सिविल+विद्युत (पॉवर)).	रु. 4,85,96,670.46	रु. 393000.00
2	बीसीटी/25-26/202, दि. 28.08.2025	विरार – जोरावासन अनुभाग : 1. वलसाड में नये एमडीडीटीआई होस्टल बिल्डिंग का निर्माण. 2. वलसाड के संबंध में प्रशासनिक भवन का प्रावधान - स्टैब्लाइजिंग स्पेयर/सिक-फिट कोचेस हेतु मौजूदा यूटिलिटीज की शिफ्टिंग के जरिए वॉशिंग और मेन लाइन के बीच 350 एम की लंबाई के 04 स्पर लाइन और डीएफसीसीआईएल और लोको शेड लाइन के बीच प्रत्येक 350 एम के 02 स्पर लाइंस का विकास. 3. कोचिंग डिपो वलसाड में कांफ्रेंस रूम का नवीनीकरण (विद्युत (पी) कार्य सहित संयुक्त निविदा)	रु. 6,62,57,629.33	रु. 481300.00
3	बीसीटी/25-26/203 दि. 28.08.2025	वलसाड – वर्ष 2025-26 हेतु 08 माह की अवधि हेतु कमी से निपटने के लिए टैंकरों के जरिए शुद्ध पेययोग्य जल की आपूर्ति.	रु. 37,50,000.00	रु. 75000.00

उपरोक्त सभी निविदाओं हेतु : जमा करने की तिथि एवं समय : 23.09.2025 को 15.00 बजे तक. खुलने की तिथि एवं समय : 23.09.2025 को 15.30 बजे. अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** का अवलोकन करें. 0545

Like us on: facebook.com/WesternRly • Follow us on: x.com/WesternRly

संक्षेप

करंट लगने से युवक की मौत

नहाने के लिए मोटर चालू करते समय हुआ हादसा, पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया शव

सुल्तानपुर, बल्दीराय तहसील मुख्यालय में एक दुखद घटना सामने आई। कस्बा निवासी 29 वर्षीय चंद्रभूषण अग्रहरि की करंट लगने से मौत हो गई। घटना सुबह की है, जब चंद्रभूषण नहाने के लिए विद्युत मोटर का स्विच ऑन कर रहे थे। इसी दौरान वह करंट की चपेट में आ गए। घटना के समय उनकी पत्नी चांदनी अग्रहरि दुकान पर थीं। आवाज सुनकर जब वह घर पहुंचीं, तब तक चंद्रभूषण बेहोश हो चुके थे। आसपास के लोगों ने तुरंत चंद्रभूषण को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बल्दीराय पहुंचाया। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय सिंह ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उन्होंने पुष्टि की कि मौत करंट लगने से हुई है। थाना अध्यक्ष बल्दीराय नारद मुनि सिंह के अनुसार, शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। चंद्रभूषण स्वर्गीय नंदलाल अग्रहरि के पुत्र थे।

ट्रक के गेट पर फंदा लगाकर ड्राइवर ने दी जान

एक्सप्रेस-वे पर मिला शव, नशा कर रखा था, बागपत का रहने वाला था

सुलतानपुर, पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के किलोमीटर 154 पर शनिवार को सनसनीखेज घटना सामने आई। यहां एक ट्रक चालक का शव एक्सप्रेस-वे के पास संदिग्ध अवस्था में मिला है। चालक ने रस्सी का फंदा बना कर उस पर झूल कर जान दे दिया। सूचना से आसपास के क्षेत्र में हड़कंप मच गया। यूपीडा कर्मियों की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में लिया। मामला दोस्तपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत किमी 154 का है। यहां पर ट्रक साइड में खड़ा था। 55 वर्षीय चालक का शव रस्सी से लटका हुआ था। ग्रामीण ने शव देखा तो वहां चीख पुकार मच गई। सूचना मिलते ही यूपीडा कर्मी सुरक्षा अधिकारी कपिल देव यादव, सहायक सुरक्षा अधिकारी राम जगत तिवारी सुरक्षाकर्मी के साथ मौके पर पहुंचे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शव एक ट्रक के पास पड़ा मिला था। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि यह मामला सड़क हादसे का है या फिर किसी अन्य घटना से जुड़ा हुआ है।

एआईएमआईएम जिलाध्यक्ष को वाट्सएप पर धमकी

थाने में शिकायत के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई, एसपी से मिला प्रतिनिधिमंडल

सुलतानपुर, एआईएमआईएम पार्टी के जिलाध्यक्ष सरफराज अहमद खान को वाट्सएप पर जान से मारने की धमकी मिली है। लेकिन पुलिस द्वारा कार्रवाई नहीं की गई। जिसको लेकर शनिवार को प्रतिनिधि मंडल एसपी से मिला। पार्टी के यूथ जिलाध्यक्ष नजमुस साकिब ने बताया कि धमकी भरा संदेश 'एआईएमआईएम विधानसभा जयसिंहपुर' नाम के व्हाट्सएप ग्रुप में आया। ग्रुप में शामिल गुलाम अली को एक नंबर से यह धमकी भरा संदेश मिला।

खड़े डंफर में लगी आग

अचानक से धू-धू कर लगा जलने, ग्रामीणों की सूझबूझ से टला हादसा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, जिले के नारीबारी-शंकरगढ़ मार्ग पर बड़ा हादसा होते-होते टल गया। भगदेवा चौराहे के पास सड़क किनारे खड़ा एक डंफर अचानक आग की लपटों में घिर गया। रात करीब 1 बजे जब लोग सो रहे थे, तभी अचानक डंफर से धुआं और तेज आग की लपटें निकलने लगीं। देखते ही देखते पूरा डंफर धू-धू कर जलने लगा। आग इतनी तेज थी कि आसपास के मकानों और दुकानों तक रोशनी फैल गई और लोगों में दहशत का माहौल बन गया। गणेश पूजन कार्यक्रम में जुटे युवाओं ने संभाली स्थिति सौभाग्य से हादसे के वक्त चौराहे के पास ही गणेश प्रतिमा स्थापना का कार्यक्रम चल रहा था। गाँव के लोग पूजा और भजन-कीर्तन में शामिल थे। जैसे ही लोगों ने डंफर को जलते देखा, अफरा-तफरी मच गई, लेकिन युवाओं ने हिम्मत नहीं हारी। गाँव के विभूति नारायण द्विवेदी ने फौरन फायर ब्रिगेड को सूचना दी। वहीं अन्य युवाओं ने पंडाल और आसपास के घरों में मौजूद लोगों को सतर्क किया और उन्हें बाहर निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। कई ग्रामीणों ने मिलकर पानी और मिट्टी डालकर आग पर काबू पाने की कोशिश की। दमकल टीम की तत्परता से बुझी आग सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुँची। दमकलकर्मी और ग्रामीणों ने मिलकर आग को बुझाने का प्रयास किया। करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद लपटों पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। गनीमत यह रही कि इस हादसे में किसी की जान नहीं गई। केवल डंफर ही जलकर राख हो गया। अब तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि डंफर में आग कैसे लगी। प्राथमिक तौर पर आशंका जताई जा रही है कि शॉर्ट सर्किट या इंजन से तेल का रिसाव इसकी वजह हो सकता है। फिलहाल पुलिस और दमकल विभाग ने मामले की जाँच शुरू कर दी है। ग्रामीणों ने जताया आभार गांव के लोगों का कहना है कि अगर आग पर समय रहते काबू नहीं पाया जाता, तो पास में लगे गणेश पंडाल और आसपास के मकानों तक आग फैल सकती थी।

इससे बड़ा नुकसान और जनहानि हो सकती थी। ग्रामीणों ने आग की सूचना देने वाले और मौके पर साहस दिखाने वाले युवाओं की खूब सराहना की। साथ ही, उन्होंने दमकल विभाग का भी आभार जताया कि उनकी तत्परता से आग पर समय रहते नियंत्रण पा लिया गया

राहुल गांधी के खिलाफ भाजपा का विरोध प्रदर्शन

समर्थकों ने तस्वीर को बनाया पावदान, पैर रखकर जताई नाराजगी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ भाजपा समर्थकों ने एक नया विरोध प्रदर्शन किया। भारतीय जनता पार्टी के विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) सुरेंद्र चौधरी के समर्थकों ने राहुल गांधी की तस्वीर वाला पोस्टर बनाकर उसे पावदान की तरह दरवाजे के बाहर बिछा दिया। समर्थक उस पर पैर रखकर अपना विरोध जताते नजर आए। यह प्रदर्शन प्रयागराज के मंफोर्डगंज इलाके में हुआ। हाल ही में बिहार में एक रैली के दौरान राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर आक्रामक भाषा का इस्तेमाल किया था, जिसने राजनीतिक माहौल में तनाव को और बढ़ा दिया। अब भाजपा नेताओं और उनके समर्थकों ने इसे मुद्दा बनाते हुए मांग की है कि राहुल गांधी देश की जनता से माफी मांगें, नहीं तो पार्टी विरोध जारी रखेगी। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि राहुल गांधी अब केवल विवादित बयान और अशब्द टिप्पणी के सहारे राजनीति कर रहे हैं। यही कारण है कि जनता में उनके खिलाफ गुस्सा बढ़ रहा है। भाजपा समर्थक इसे राहुल गांधी की गिरती हुई साख से जोड़ रहे हैं और आगे भी खुलकर विरोध करने का ऐलान कर रहे हैं।

नर्सिंग छात्राओं को अग्नि सुरक्षा का प्रशिक्षण

- आग से बचाव के लिए होजरील और फायर बुलेट से कराया गया अभ्यास

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देश पर अग्निशमन एवं आपात सेवा केंद्र द्वारा अग्नि सचेतक प्रशिक्षण अभियान का आयोजन किया गया। अग्निशमन अधिकारी शिवदरस प्रसाद के नेतृत्व में इंदिरा गांधी स्कूल एंड कॉलेज ऑफ नर्सिंग की जीएनएम पाठ्यक्रम की छात्राओं को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में छात्राओं को आग के विभिन्न प्रकार और अग्निशमन उपकरणों की जानकारी दी गई। उन्हें प्राथमिक उपकरणों का संचालन सिखाया गया। फायर ट्रेंगल और धुएं से सुरक्षित बाहर निकलने की विधि बताई गई। होज रील व ब्रांच पाइप के प्रयोग का प्रशिक्षण दिया गया। छात्राओं को महत्वपूर्ण सुरक्षा नियम भी बताए गए। धुएं में झुककर या बैठकर बाहर निकलने की सलाह दी गई। अस्पताल में पलायन मार्ग खाली रखने का निर्देश दिया गया। बिजली के उपकरणों के सुरक्षित प्रयोग की जानकारी दी गई। कपड़ों में आग लगने पर जमीन पर लुढ़कने या कंबल लपेटने की सलाह दी गई।

लघु उद्योग दिवस पर विशेष कार्यक्रम

सुल्तानपुर में जागरूकता संगोष्ठी, उद्यमी रवींद्र त्रिपाठी का सम्मान

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, शहर स्थित नेशनल टॉकीज रोड स्थित नबीन प्रतिष्ठान में लघु उद्योग जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि और भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश महामंत्री रवीन्द्र त्रिपाठी ने विशेष संबोधन दिया। त्रिपाठी ने बताया कि 30 अगस्त को मनाया जाने वाला लघु उद्योग दिवस देश के आर्थिक विकास में छोटे उद्योगों के योगदान को रेखांकित करता है। उन्होंने कहा कि लघु उद्योग शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने बताया कि ये उद्योग क्षेत्रीय असंतुलन को कम करने में मदद करते हैं। साथ ही स्थानीय हस्तशिल्प को संरक्षण देते हैं। लघु उद्योग भारत की समृद्ध हस्तशिल्प विरासत को जीवित रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लघु और कुटीर उद्योगों के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना था। इसके साथ ही युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना और स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देना भी शामिल था। संगोष्ठी में सरकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई, जो लघु उद्योगों के विकास में सहायक हैं। त्रिपाठी ने कहा कि लघु उद्योग भारतीय औद्योगिक क्षेत्र की रीढ़ हैं। ये देश के आर्थिक और सामाजिक विकास के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। कार्यक्रम में उद्यमी राजेन्द्र कसौधन समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आयोजक राजेन्द्र कसौधन ने प्रदेश महामंत्री रवीन्द्र त्रिपाठी को अंगवस्त्र तथा भगवान गणेश की मूर्ति देकर सम्मानित किया।

टीकरमाफी क्षेत्र में बाइक चोरी का मामला

- पीड़ित ने एसपी से की शिकायत, 13 दिन में दर्ज हुआ मुकदमा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, टीकरमाफी चौकी क्षेत्र में पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे हैं। राहुल कुमार की बाइक 15 अगस्त को उनके घर के बाहर से चोरी हो गई। पीड़ित ने चौकी में तहरीर दी। लेकिन चौकी प्रभारी और थाना अध्यक्ष ने मुकदमा दर्ज नहीं किया। इसके बाद पीड़ित राहुल कुमार पुलिस अधीक्षक अर्पणा रजत कौशिक से मिले। उन्होंने एसपी से मुकदमा दर्ज करने की गुहार लगाई। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर मुकदमा दर्ज किया गया। घटना के 13 दिन बाद आखिरकार बाइक चोरी का मामला दर्ज हुआ।

एसपी ने प्रशिक्षु आरक्षियों को दिया विशेष प्रशिक्षण

बीटबुक कार्यप्रणाली पर दी जानकारी, बताया- कैसे करें अपराधियों की निगरानी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक ने रिजर्व पुलिस लाइन गौरीगंज में एक विशेष प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया। उन्होंने प्रशिक्षणरत आरक्षियों को बीटबुक कार्यप्रणाली के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। एसपी कौशिक ने बताया कि बीटबुक पुलिस कार्यप्रणाली का एक अहम हिस्सा है। इसके तहत बीट अधिकारी नियमित रूप से अपने क्षेत्र में भ्रमण करते हैं।

वे हिस्ट्रीशीटरों और क्षेत्र के अपराधियों पर नजर रखते हैं। साथ ही सम्भ्रांत व्यक्तियों और पुलिस मित्रों से समन्वय बनाते हैं। बीट अधिकारियों को अपनी बीट पुस्तिका में सभी जानकारी अपडेट रखनी होती है। इससे बेहतर पुलिसिंग और अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सकता है। प्रशिक्षण के बाद एसपी ने पुलिस लाइन स्थित जिम का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान क्षेत्राधिकारी गौरीगंज अखिलेश वर्मा, प्रतिसार निरीक्षक अमेठी और अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

अलीगढ़ में 75 दिन से महिला टीचर लापता

सोशल मीडिया पर एक्टिव, बीएसए के नोटिस का नहीं दिया जवाब; विभाग ने किया सस्पेंड

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

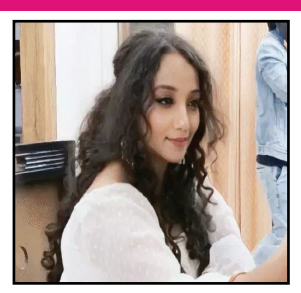

अलीगढ़, सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाली सरकारी टीचर 75 दिन से गायब हैं। उन्होंने विभाग के किसी भी नोटिस का जवाब नहीं दिया है। इस पर बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ राकेश सिंह ने बीईओ की रिपोर्ट के आधार पर टीचर चैताली वार्ष्णेय को निलंबित कर दिया है। जल्द से जल्द उनसे जवाब मांगा गया है। मामला प्राथमिक विद्यालय महुआखेड़ा का है। चैताली वार्ष्णेय ? पर कार्रवाई के बाद उनके पति नूतन प्रकाश ने कहा कि उनकी पत्नी बीमार चल रही हैं। मेडिकल प्रमाणपत्र विभाग के पोर्टल पर अपलोड किया जा चुका है। अधिकारियों से मिलकर बात करेंगे और अपना पक्ष भी रखेंगे। चैताली ने 6 दिन पहले अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर परिवार के साथ एक फोटो शेयर की थी। प्राथमिक विद्यालय महुआखेड़ा में कार्यरत शिक्षिका चैताली वार्ष्णेय आखिरी बार 15 जून को स्कूल गई थीं। इसके बाद से विभाग को किसी तरह की सूचना भी नहीं दी न स्कूल आईं। उनकी हेडमास्टर ने विभाग से इसको लेकर शिकायत की। इसके बाद विभाग की ओर से चैताली वार्ष्णेय को नोटिस जारी करके जवाब मांगा गया था। लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। 3 नोटिस जारी होने के बाद भी चैताली ने न तो कोई पत्राचार किया गया और न ही किसी तरह का प्रमाणपत्र प्रस्तुत किया। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि शिक्षिका से लगातार संपर्क करने की कोशिश की जा रही है। स्कूल की हेडमास्टर व अन्य शिक्षकों ने उनके मोबाइल पर कॉल की और वॉट्सऐप पर भी मैसेज किए, लेकिन शिक्षिका की ओर से कोई जवाब नहीं दिया जा रहा है। शिक्षिका चैताली वार्ष्णेय अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक्टिव हैं। 6 दिन पहले उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर परिवार के साथ एक फोटो शेयर की थी। वहीं इससे पहले उन्होंने 27 जून और फिर 11 जून को भी एक पोस्ट शेयर की थी। शिक्षिका पर कार्रवाई होने के बाद उनके पति नूतन प्रकाश ने बताया- उनकी पत्नी बीमार चल रही हैं। उनका मेडिकल प्रमाणपत्र विभाग के पोर्टल पर अपलोड किया जा चुका है। निलंबन की कार्रवाई की उन्हें जानकारी हुई है। इस संबंध में वह अधिकारियों से मिलकर बात करेंगे और अपना पक्ष भी रखेंगे। चैताली वार्ष्णेय ने अपने इंस्टा अकाउंट पर 11-12 जून को एक पोस्ट की थी, जिसमें लिखा था कि मेरे 747, जिसमें लास्ट आता है कि एसएमएस सर्विस को भारत सरकार द्वारा 8 जून के बाद से बंद कर दिया गया है, उस नंबर से अगर कोई संदेश प्रसारित किए जा रहे हैं तो वो, जिसने उन्हें बंद कराया उन्हीं के द्वारा किए जा रहे हैं। सूचना जनहित में जारी। मुझे बताना पड़ेगा क्योंकि कोर्ट में केस रजिस्टर हो चुका है। इससे पहले भी इन्होंने अपने इंस्टा अकाउंट पर भारत सरकार द्वारा नंबर बंद किए जाने संबंधी कुछ पोस्ट की हैं।

ई-रिक्शा पलटा; महिला घायल

बाल-बाल बचा बच्चा, पुलिस चेकिंग देख घबराया गया था ड्राइवर

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मथुरा, शहर में ई-रिक्शा लगातार सड़क पर हादसों का कारण बनते जा रहे हैं। भूतेश्वर तिराहे पर उस समय अफरातफरी का माहौल बन गया, जब ट्रैफिक पुलिस की चेकिंग को देखकर एक ई-रिक्शा चालक घबराकर तेजी से मोड़ने लगा और पलट गया। हादसे में एक महिला घायल हो गई, जबकि एक मासूम बच्चा बाल-बाल बच गया। घटना के अनुसार भूतेश्वर तिराहे पर यातायात पुलिस अवैध और बिना नंबर प्लेट वाले ई-रिक्शों के खिलाफ चेकिंग अभियान चला रहे है। इसी दौरान सवारियों से भरा एक ई-रिक्शा चालक पुलिस को देखकर घबरा गया और भागने की कोशिश करने लगा। इसी दौरान उसने अचानक मोड़ लिया, जिससे ई-रिक्शा असंतुलित होकर पलट गया। रिक्शे में सवार महिला, पुरुष और एक मासूम बच्चा नीचे दब गए। हादसे में महिला को चोटें आई मौके पर मौजूद ट्रैफिक पुलिसकर्मियों और राहगीरों ने तुरंत दौड़कर ई-रिक्शा सीधा किया और घायलों को बाहर निकाला। हादसे में महिला के हाथ में गंभीर चोट आई, जबकि बच्चा बाल-बाल बच गया। महिला को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। ट्रैफिक पुलिस ने ई-रिक्शा को कब्जे में लेकर चालक पर कार्रवाई की है।

करंट लगने से गर्भवती गाय की मौत

लटकते हाईटेंशन तार के चपेट में आने से हुआ हादसा, लटके तार से हमेशा दुर्घटना का खतरा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, मवई गांव में एक गर्भवती गाय की करंट लगने से मौत हो गई। यह घटना गंगाराम मार्केट के पास हुई। गया प्रसाद पाल अपने मवेशियों को चराने ले जा रहे थे। गंगाराम मार्केट के पास बिजली के खंभे से लटक रहे 11000 वोल्ट के तार की चपेट में आने से गर्भवती गाय की मौके पर ही मौत हो गई ग्रामीणों के अनुसार, बारिश के कारण कई दिनों से बिजली का तार खंभे से लटका हुआ था। घटनास्थल के पास एक डेयरी संचालित होती है, जहां रोजाना सैकड़ों लोग दूध बेचने आते हैं। लटके तार के कारण लोगों को हमेशा दुर्घटना का खतरा बना रहता था।

यूपी में हाउस टैक्स बढ़ोतरी का विरोध

व्यापार मंडल की मांग- टैक्स 10प्रतिशत तक सीमित रखें, बिजली दरें न बढ़ाएं

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल ने हाउस टैक्स में भारी बढ़ोतरी का विरोध किया है। मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बनवारी लाल कंछल ने कहा कि कई नगर निकायों में हाउस टैक्स 500 से 2000 प्रतिशत तक बढ़ा दिया गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर यह वृद्धि वापस नहीं ली गई तो व्यापारी आंदोलन करेंगे। व्यापार मंडल ने सरकार से हाउस टैक्स को 10 प्रतिशत तक सीमित रखने की मांग की है। साथ ही बिजली दरों को सीमावर्ती राज्यों के स्तर से अधिक न बढ़ाने की अपील की है। कंछल ने कहा कि सरकारी अधिकारी और कर्मचारी मनमानी कर रहे हैं। कंछल ने केंद्र सरकार के कुछ निर्णयों की सराहना भी की। इनमें 12 लाख तक की आय को कर मुक्त करना और टीडीएस सीमा को 50 हजार से बढ़ाकर एक लाख करना शामिल है। आयकर रिटर्न की अंतिम तिथि जुलाई से बढ़ाकर सितंबर कर दी गई है। केंद्रीय सड़क मंत्री नितिन गडकरी द्वारा टोल शुल्क में दी गई राहत का भी उल्लेख किया।

निजी वाहनों का टोल शुल्क 50 रुपये से घटाकर 15 रुपये कर दिया गया है।

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक अरविंद कुमार शर्मा द्वारा एफ एल टी , एलजी 75 आर एम 4/4 इंदिरा नगर, सुंदर बाग, कुर्ला (प) मुंबई 400070 महाराष्ट्र से प्रकाशित एवं AIS PRINTING SOLUTION प्लांट नं० -A-544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एम आई डीसी माहपे नवी मुंबई , ठाणे 400709 से मुद्रित । संपादक - अरविंद कुमार शर्मा

EMail-bsmumbai2017@gmail.com किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय ही होगा। 8097049935,9935750291 RNI No-MAHHIN2017/74173

संपर्क का कार्यालय- 66/68 भाखरिया बिल्डिंग मीना मेहता मार्ग मोदी स्ट्रीट मुम्बई 400001

संरक्षक- डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष (हिन्दी) इलाहाबाद विश्व विद्यालय, विशेष संवाददाता- आशीष कुमार शर्मा सह, सम्पादक- माता प्रसाद शर्मा, फिल्म- संपादक-जगन्नाथ तिवारी